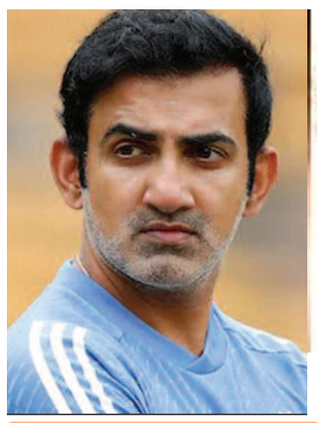

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

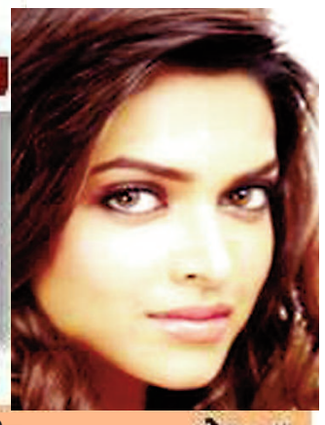

ईमानदारी से कहूं तो...इ, सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पी -पेज: 7

दीपिका ने की प्रभास की 'स्पिरिट के टीजर की तारीफ -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 199 | मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

सोन नदी में नहाने गए तीन युवक डूबने से मौत... छठ पर्व मातम में बदला

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पलामू जिले के जपला में खरना के शुभ अवसर पर सोन नदी में नहाने गए तीन युवक डूब गए। यह घटना रविवार को हुई और सोमवार को गोताखोरों के प्रयासों से तीनों के शव बरामद कर लिए गए। मृतकों में अंकुश पासवान (22), निवासी शेरघाटी (बिहार), आदर्श चंद्रवंशी (22), निवासी इटवा, नवीनगर (बिहार), रजनीश चंद्रवंशी (23), निवासी पोखराही शामिल है। युवक रविवार शाम को नदी की गहराई में समा गए। देर शाम तक वापस न लौटने पर खोजबीन शुरू हुई और पुलिस को सूचना दी गई। एसडीपीओ एस. मोहम्मद याकूब और अंचल अधिकारी पंकज कुमार सहित प्रशासन की टीम पूरी रात और सोमवार देर शाम तक सर्च अभियान में जुटी रही। अंकुश पासवान और आदर्श चंद्रवंशी के शव बरवाडीह गांव के सामने, जबकि रजनीश चंद्रवंशी का शव डूमरहत्था गांव के समीप मिला। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र, खासकर पोखराही गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शवों का पोस्टमार्टम हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया और फिर परिजनों को सौंप दिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मौके पर कई पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए नशीले पदार्थों को जप्त किया

जम्मू (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराए गए नशीले पदार्थों से भरे दो बैग बरामद कर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल किया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन बैग में करीब पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान आर एस पुरा सेक्टर में सीमा चौकी जतिंदर के पास यह बरामदगी हुई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब छह बजे पाकिस्तानी ड्रोन को भारतीय सीमा में मंडराते देखा गया जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 5.300 किलोग्राम हेरोइन के 10 पैकेट से भरे दो बैग जब्त किए गए। ताजा रिपोर्ट मिलने तक अभियान जारी था।

वारंगल में एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने किया हमला

वारंगल (एजेंसी)। तेलंगाना के वारंगल में एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर इस तरह का हमला नगर निगमों की लापरवाही का बड़ा उदाहरण है। वे शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने और उनसे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम साबित हो रही है। दरअसल पूरे भारत में कुत्तों के काटने के मामलों का बढ़ना (2024 में 22 लाख से अधिक, जिनमें 5 लाख 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं) दिखाता है कि यह एक राष्ट्रीय स्तर की गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला, जिसमें खतरनाक या पागल कुत्तों को शेल्टर में रखने और शांत, नसबंदी-टीकाकृत कुत्तों को वापस उनके क्षेत्रों में छोड़ने की बात कही गई है, एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करता है। स्थानीय अधिकारियों को इस आदेश का पालन सख्ती से करना चाहिए। वारंगल इलाके के लोगों का कुत्ते के कटने की घटना के बाद सातवें आसमान पर है, क्योंकि ऐसी घटनाएं सीधे तौर पर उनकी सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। इसके लिए ज़रूरी है कि नगर निगम और स्थानीय प्रशासन कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रमों को तेज़ करें। खतरनाक या आक्रामक कुत्तों को पहचान कर उन्हें सुरक्षित रूप से शेल्टर में रखें। बच्चों के खेलने के सार्वजनिक क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। हम उम्मीद करते हैं कि बच्ची जल्द से जल्द ठीक हो जाए।

संभल दंगा मामले के चार आरोपियों को जमानत

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के संभल जिले में संभल दंगा मामले के बारे में जरुरी जानकारी सामने आई है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने संभल दंगा मामले के चार आरोपियों को जमानत दे दी है। इन चारों को साल 2024 में गिरफ्तार किया गया था और ये तब से जेल में थे। इनकी जमानत याचिका को पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखकर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। सांप्रदायिक हिंसा के कथित मास्टरमाइंड शारिक साटा पर शिकंजा कसा जा रहा है। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई के अनुसार, जल्द ही उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होगा। पुलिस, सीबीआई और इंटरपोल मिलकर साटा की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रहे हैं। बात दें कि दंगा 24 नवंबर 2024 को हुआ था। यह घटना शाही जामा मस्जिद के कोर्ट-निर्देशित सर्वे के दौरान हुई थी। सर्वे का दावा था कि मस्जिद की जगह पहले हरिहर मंदिर था। इस झड़प में चार लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे। जांच में शारिक साटा को मुख्य साज़िशकर्ता पाया गया। वह कई साल पहले देश छोड़कर फरार हो गया था और विदेश में छिपा हुआ है।

केरल में तेज हवाओं के कारण पलटी नाव...एक मछुआरे की मौत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई जिलों में सोमवार को तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हुई। जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। अलप्पुझा जिले में तेज हवाओं के कारण अर्थुनकल तट के पास एक मछुआरे की नाव पलट जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम पॉल देवासिया है, जो अर्थुनकल का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि वह सुबह-सुबह मछली पकड़ने गया था। हालांकि अन्य मछुआरों ने पॉल को बचाकर पानी से बाहर निकाल लिया था लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कोझिकोड, कासरगोड और कन्नूर जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है और 24 घंटों के भीतर 115.6 मिमी से 204 मिमी बारिश होने की संभावना है।

खतरनाक हुआ मोंथा चक्रवात का असर शुरु: चैन्नई में तेज बारिश, कल आंध्रप्रदेश में देगा दस्तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवात मोंथा ने अब खतरनाक रूप धारण कर लिया है। इसका असर चैन्नई में हो रही खतरनाक बारिश के रुप में दिखने लगा है। कल 28 अक्टूबर को मोंथा आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा। इस दौरान हवा की गति 90 से 110 किमी प्रति घंटा होने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश में काकीनाडा और कोनासिमा के 34 तटीय गांवों से 6,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है, जिसमें 428 गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। विसाखापट्टनम, अनाकापल्ले और वेस्ट गोदावरी में स्कूल 27-28 अक्टूबर को बंद रहेंगे।

ओडिशा के 8 दक्षिणी जिलों मल्कानगिरी, कोरापुट आदि को रेड जोन घोषित किया गया है, जहां साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमें तैनात हैं। विभाग के लोगों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और जलाशयों से पानी छोड़ा जा रहा है। चक्रवात मछलीपट्टनम और कालिंगपट्टनम के बीच से होकर गुजरेगा। काकीनाडा के आसपास इसके आंध्र प्रदेश के तट को पार करने का अनुमान है। इससे ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्यों प्रभावित हो सकते हैं। ओडिशा के सभी 30 जिले अलर्ट पर हैं। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा,

कोनासिमा, एलुरु, वेस्ट गोदावरी, कृष्णा, गुंटूर, भटला, प्राकासम और एसपीएसआर नेल्लोर जिलों में खतरा अधिक है। तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुवल्लुर और रानीपेट में भी प्रभाव पड़ सकता है। आईएमडी ने समुद्री इलाकों में ऊंची लहरें और तटीय बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी ने ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जहां 28-29 अक्टूबर को बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश के 9 जिलों में रेड अलर्ट है, जबकि बाकी हिस्सों जैसे कि तमिलनाडु और ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट लागू है। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भी भारी बारिश का अनुमान है। हवा की गति 110 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे पेड़ उखड़ने और बाढ़ का खतरा है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

यूपी एटीएस ने आईएसआईएस के दो आतंकी किए गिरफ्तार, दिल्ली में ब्लास्ट करने की बना रहे थे योजना

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी खतरे को विफल करते हुए आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आत्मघाती हमला करने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (20) और मोहम्मद अदनान खान (19) हैं। ये दोनों सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी अभियान रहे थे। ये दोनों आईएसआईएस के वीडियो देखकर कट्टरपंथी बने हैं।

यह जानकारी सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए यूपी आईजी एलआर कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि अदनान खान (भोपाल निवासी) को 18 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार किया गया। जबकि मोहम्मद अदनान को 16 अक्टूबर को दिल्ली के सेक्टर-3, सादिक नगर से पकड़ा गया। दोनों आईएसआईएस के सिरिया-तुर्की सीमा पर सक्रिय एक विदेशी हैंडलर से जुड़े हुए थे और उन्हें अपना 'अमीर' मानते थे। अभियुक्तों ने ऑनलाइन आईएसआईएस से संबंधित वीडियो देखकर विचारधारा से प्रभावित होकर आत्मघाती हमले की ट्रेनिंग ली थी। दोनों दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और सार्वजनिक पार्क को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे, जहां दिवाली के अवसर पर भारी भीड़ उमड़ने वाली थी। आईजी एलआर कुमार ने बताया कि दोनों के पास से आईईडी बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, टाइमर क्लॉक, आईएसआईएस का झंडा, लैपटॉप, पेन ड्राइव और प्रोपेगैंडा सामग्री बरामद हुई है। उन्होंने बयश्अत (निष्ठा की शपथ) लेने का वीडियो भी रिकॉर्ड किया था। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक ग्रुप बनाकर भर्ती करने की कोशिश की थी और दिवाली पर हमला कर 'फिदायीन' (आत्मघाती) अटैक को अंजाम देने का प्लान था।

एसआईआर के ऐलान से पहले बंगाल में ममता ने कर दिया बड़ा खेला

कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग सोमवार को देश के विभिन्न राज्यों में वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा करने वाला है। हालांकि आयोग के ऐलान से पहले ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने राज्य की नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को आदेश जारी कर कई जिलों के जिला अधिकारी (डीएम) को स्थानांतरित कर दिया। इस फेरबदल के तहत कई अधिकारियों को जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी से हटाया गया है, जबकि कुछ को नए जिलों में तैनाती दी गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जिन जिलों में डीएम बदले गए हैं, उसमें उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, कूचबिहार, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, दार्जीलिंग, मालदा, बीरभूम, झारग्राम और पूर्व मेदिनीपुर शामिल हैं।

दरअसल, एक बार एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद जिला

मजिस्ट्रेटों का तबादला नहीं किया जा सकता। यह देखकर नबन्ना (राज्य सचिवालय) ने घोषणा से ठीक पहले यह आदेश जारी कर दिया ताकि प्रशासनिक नियंत्रण सरकार के हाथ में बना रहे।

इस कदम पर विपक्षी दलों का कहना है कि ममता बनर्जी सरकार चुनाव से पहले प्रशासनिक मशीनरी को अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, राज्य सरकार का कहना है कि यह 'नियमित प्रशासनिक फेरबदल' है, जिसका एसआईआर या किसी चुनावी प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है।

बीजेपी के भंवर में फंसे उमर अबदुल्ला... राज्यसभा चुनाव में चौथी सीट पर लगा झटका

-7 वोट मिलने का भरोसा टूट गया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनावों के हालिया नतीजे नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के लिए बड़े झटके के सामना है। एनसी उम्मीदवार इमरान नबी डार की चौथी सीट पर हार हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नबी की पराजय को 'धोखा' करार दिया है। यह हार नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए एक तरह से 14 साल बाद इतिहास को फिर दोहराया गया है, जब 2011 में बीजेपी विधायकों के क्रॉस-वोटिंग ने पार्टी को फायदा पहुंचाया था, वहीं अब उसी तरह की स्थिति ने एनसी को नुकसान पहुंचाया है।

राज्य में मतदान में डार को 22 वोट मिले, जो जीत के लिए जरूरी 29 वोटों से सात कम थे। वहीं, भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष सतीश शर्मा ने 28 विधायकों के समर्थन के बावजूद 32 वोट हासिल कर चौथी सीट पर जीत का परचम लहराया। सूत्रों के अनुसार, डार के पक्ष में पड़े तीन वोट अमान्य घोषित हुए। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 88 सीटों में से एनसी के पास अपने सहयोगी दलों कांग्रेस (6), माकपा (1) और 5 निर्दलीय विधायकों के साथ

कुल 53 वोट थे, जिससे तीन राज्यसभा सीटों पर उसकी जीत तय थी वहीं भाजपा के पास 28 विधायक थे, जबकि गैर-भाजपा विपक्ष के पास केवल छह वोट थे। संख्या के हिसाब से एनसी के पास पहले दो उम्मीदवारों की जीत के लिए पर्याप्त मत थे, लेकिन चौथी सीट के लिए एनसी को सहयोगियों और निर्दलीयों के समर्थन की आवश्यकता थी। पार्टी को उम्मीद थी कि 30 में से 29 वोट उन्हें ही मिलने है। लेकिन गिनती के बाद सामने आया कि एनसी उम्मीदवार जीएस ओबेरॉय (शम्मी ओबेरॉय) को 31 और डार को केवल 22 वोट मिले। एनसी को जिन सात अतिरिक्त वोटों की उम्मीद थी, उसमें से चार वोट भाजपा के सतीश शर्मा को मिले, जिससे उनके वोट 32 तक पहुंच गए, जबकि तीन वोट अमान्य हुए।

इन नतीजों के के बाद मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'चौथी सीट पर हमारी हार धोखे का नतीजा है। हमें आखिरी वक्त पर छोड़ दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा को चार अतिरिक्त वोट कहां से मिले और किसने जानबूझकर गलत प्रेफरेंस मार्क किया।

बात दें कि राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग का इतिहास जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बहुत पुराना है। वर्ष 2011 में विधान परिषद के चुनाव में भाजपा के 11 विधायकों में से 7 ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर एनसी के प्रत्याशी को वोट कर दिया था। 1996 में, एनसी के दो विधायकों की गलती से भाजपा के दयाकृष्ण कोटवाल की जीत हुई थी। वहीं वर्ष 2003 में, एनसी के त्रिलोचन सिंह वज़ीर को कांग्रेस-पीडीपी गठबंधन के विधायकों के क्रॉस-वोट से फायदा हुआ था।

इस राजनीतिक उठापटक के बीच आप विधायक मेहराज मलिक ने जेल से बयान जारी कर कहा, 'मैंने एनसी के पक्ष में वोट दिया, लेकिन अब उनके कुछ नेता मुझ पर सवाल उठा रहे हैं। मलिक खुद डोडा से आते हैं और फिलहाल जम्मू-कश्मीर पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत कठुआ जेल में बंद हैं।

सरकार और योगी की अर्थी निकालो... ये कहना सीएमएस डॉ. भास्कर को पड़ा मंहगा

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर जिले के जयसिंहपु में वीरसिंहपुर गाँव स्थित सौ बेड के अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. भास्कर को उत्तप्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ टिप्पणी करना महँगा पड़ गया है।

दरअसल आम आदमी पार्टी (आप) के एक धरना प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शन समाप्त कराने की बातचीत में आप के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने सीएमएस और सीएमओ की अर्थी निकालने की चेतावनी दी। इसके जवाब में सीएमएस डॉ. भास्कर ने कहा, मेरी और सीएमओ की अर्थी क्यों निकलते हो, सरकार और सीएम योगी की निकालो।

सीएमएस के इस बयान का वीडियो वायरल हो गया और मामला शासन तक पहुँच गया। इसके बाद सीएमएस डॉ. भास्कर को निलंबित कर दिया गया है। उन पर अमर्यादित भाषा के उपयोग के अलावा, मरीजों को बाहर से दवा लिखने, बायोमेडिकल वेस्ट मानकों का अनुपालन न करने और सरकारी कर्मचारी नियमावली के उल्लंघन के आरोप भी लगे हैं।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष शोभनाथ यादव

की तहरीर पर जयसिंहपुर थाने में सीएमएस के खिलाफ मुकदमा (केस) दर्ज किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद, एडी हेल्थ को जाँच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनकी रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई हुई मानी जा रही है। वहीं के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने वीडियो को एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया। भाजपा नेताओं में मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणी को लेकर रोष फैल गया। विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने कार्रवाई की मांग की और डीएम से भी बात की।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने सीएमएस पर अनुशासन हीनता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की जिस पर जयसिंहपुर पुलिस ने मुक़दमा दर्ज कर लिया है। उधर शासन स्तर से सीएमएस पर प्रदेश सरकार के सम्बन्ध में अमर्यादित भाषा और आपत्तिजनक टिप्पणी करने, अस्पताल में भर्ती मरीजों को बाहर से दवा लिखे जाने, बायोमेडिकल वेस्ट में मानकों का अनुपालन नही किए जाने, सरकारी कर्मचारी नियमावली का उलंघन्न आदि के आरोप में निलम्बित कर दिया गया है।

प्रमोद महाजन की हत्या क्यों हुई? 19 साल बाद भाई प्रकाश महाजन का चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई, (एजेंसी)। भाजपा के एक समय के दिग्गज नेता प्रमोद महाजन की 2006 में उनके ही भाई प्रवीण महाजन ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। महाजन परिवार में हुई इस घटना ने पूरे देश में हड़कंप मचा दिया था। तब से प्रमोद महाजन की मौत को लेकर कई विरोधाभासी दावे किए जा रहे हैं। अब प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने प्रमोद महाजन की मौत की वजह बताते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रकाश महाजन ने दावा किया है कि प्रमोद महाजन की हत्या सिर्फ लालच और ईर्ष्या के चलते की गई थी। प्रमोद महाजन की मौत को लेकर सनसनीखेज दावा करते हुए प्रकाश महाजन ने कहा कि बिना कुछ किए ही सुख में डूबा रहने वाला व्यक्ति ही ऐसा कर सकता है। प्रवीण महाजन पैसों के लिए प्रमोद महाजन को ब्लैकमेल कर रहा था। साथ ही, जिस व्यक्ति के जरिए यह ब्लैकमेलिंग की गई, वह जीवित नहीं है। इसलिए मैं उस व्यक्ति का नाम नहीं लूंगा। प्रकाश महाजन ने कहा कि प्रमोद महाजन की हत्या सिर्फ लालच और ईर्ष्या

के चलते की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रवीण महाजन ने प्रमोद महाजन की जिंदगी बर्बाद कर दी। प्रवीण महाजन लगातार प्रमोद महाजन को ब्लैकमेल कर रहा था। प्रकाश महाजन ने कहा, मैं प्रमोद महाजन के बारे में अच्छी बात नहीं कहता। उन्होंने भी कुछ गलतियां की होंगी। वह एक राक्षस हो सकते हैं, लेकिन आपको उन्हें गोली मारने का अधिकार किसने दिया? प्रवीण महाजन पैसे से प्रेरित थे। वह कोई काम नहीं कर रहे थे। वह काम पर नहीं जाना चाहते थे। वह वेतन बढ़ाने के लिए कहते थे। वह पैसे मांगते थे। इस बीच, प्रकाश महाजन ने सारंगी महाजन की भी आलोचना की, जिन्होंने पंकजा मुंडे को एक बिगड़ैल बेटी कहा था। प्रकाश महाजन ने पूछा कि क्या उन्हें ऐसा कहते हुए शर्म नहीं आती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सारंगी महाजन ऐसा इसलिए बोल रही हैं क्योंकि गोपीनाथ मुंडे ने प्रवीण महाजन के खिलाफ गवाही दी थी।

सोशल मीडिया पर धार्मिक ग्रुप बनाकर भारतीय युवाओं को जिहाद की आग में झोंकने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप सोच सकते हैं कि सोशल मीडिया पर चल रहा साधारण-सा ग्रुप, बड़े आतंकी हमले की तैयारी में लगा हुआ था? जी हां, दिल्ली पुलिस ने इसतरह के एक ग्रुप का भांडा फोड़ किया है। इस ग्रुप का नाम है 'सावत-अल-उम्माह' है। सुनने में ये धार्मिक लोगों का ग्रुप लगता है। लेकिन यह कोई साधारण ग्रुप नहीं था। यह एक जाल था जो सीरिया से चलाए जा रहे भर्ती कर्ताओं ने बिछाया था। जिसका सीधा मकसद? भारतीय युवाओं को जिहाद की आग में झोंकना।

बीते कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर ग्रुप सक्रिय हुए थे। जिसमें जिहादी वीडियो, प्रचार सामग्री और धार्मिक उन्माद की आग भड़काने वाले संदेश प्रसारित हो रहे थे। एक दिन इस ग्रुप में चार नए सदस्यों की एंट्री हुई। वे धीरे-धीरे बातचीत करने लगे और अपना विश्वास जमाते रहे। अचानक कुछ चुनिंदा सदस्यों को एक नए सिंगल ग्रुप की इनवाइट भेजी गई। यहां सदस्य कम थे, लेकिन इसी ग्रुप में असली प्लानिंग चल रही थी।

पता चला कि खुफिया एजेंसियों के कुछ जासूस पहले से ही ग्रुप में शामिल हो चुके थे। वे चुपचाप निगरानी कर रहे थे। शुरुआत में ग्रुप सिर्फ धार्मिक प्रचार कर रहा था, लेकिन धीरे-धीरे बातें ऑपरेशन तक पहुंच गईं। एजेंटों ने देखा कि सदस्यों को कहा जा रहा है कि वे त्यौहरों के दौरान दिल्ली में भीड़-भाड़ वाली जगहों पर हमला करें। सीरिया में बैठा हैंडलर लगातार आदेश दे रहा था। आरोपियों ने बम बनाने के सामान जुटाना शुरू किया। पुलिस को जो सबूत मिले, उनसे उनकी आंखें फटी रह गईं।

जाहिर था, यह साजिश किसी बड़े खून-खराबे की तरफ इशारा कर रही थी। दिल्ली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। पहले पुलिस ने अदान नाम के संदिग्ध को पकड़ा गया। जैसे ही यह खबर फैली, बाकी सदस्य घबरा गए। उन्होंने ग्रुप्स डिलीट किए, आईडी मिटा दीं और सबूतों को मिटाने की कोशिश। लेकिन तब तक पुलिस ने डिलीटेड मटेरियल रिकवर कर लिया। पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों के अलावा चार और लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें से दिल्ली के दो युवक गवाह बने है।

संपादकीय

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां-फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना-सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार-बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चचाओं में संभव नहीं है। अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार-बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे। ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर-दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग-थलग कर रहे हैं। पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीजा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं।

चिंतन-मनन

प्रायश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई।
सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बिहार विधानसभा चुनाव लड़ना होगा जी-जान से

कांतिलाल मांडोत

बिहार विधानसभा चुनाव की तपिश जो हर एक दल महसूस कर रहे है।जैसी शायद पहले कभी नही हुई होगी। बिहार में सीएम चेहरे को लेकर कांग्रेस और राजद का टकराव के कारण बदलते समीकरण को थामने के लिए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू के बीच बन्द कमरे में बात हुई। तेजस्वी के नाम पर मुहरलगाई गई।सूबे में पहली बार प्रामाणिक त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।जो राजद और एनडीए के बीच हुआ करता था।इस बार कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है। क्षेत्रीय दल भी वोट काटने के निमित बनेंगे।ओवैसी की पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। समस्तीपुर और बेगूसराय में मोदी एनडीए के प्रत्यशियों के लिए रैली करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में 26 रैलियां की थी। मोदी की 61 प्रतिशत स्ट्राइक रेट से एनडीए की सरकार बनाई थी।मोदी का करिश्मा आज भी विधमान है। बिहार में 2020 में मोदी ने 12 रैली कर 110 सीटे कवर की थी।उसमें 67 सीटो पर भव्य विजय पताका फहराई थी।पिछले चुनाव में सासाराम सीट पर एनडीए को सफलता नही मिली।उस सीट पर इस बार चुनाव में नजर रखे हुए है।पटना में 2020 के चुनाव में 5 सीटे ही जीत सके।मोदी की रैलिया ही निर्णायक भूमिका निभाती है।देश भर में नरेंद्र मोदी की हवा चल रही है।इस बार भी एनडीए को आशा है कि सरकार बना लेंगे।प्रचार अभियान की कमान संभालने वाले मोदी की रैली के बाद लोगो के मन मे परिवर्तन की लहर जरुर दौडती है।कांग्रेस के दिग्गज नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाग कर पटना पहुंचे ताकि वे नवगठित महागठबंधन के लिए सीएम चेहरे के लिए फैसला कर सके।कांग्रेस बिहार चुनाव में अपना चेहरा बचाना चाहती है।महागठबंधन में राहुल और प्रियंका गांधी की साझा कोशिशों ने अंजाम दिया है। राहुल की उपस्थिति बिहार में नगण्य हो गई है।क्योंकि वो विदेश का दौरा ज्यादा कर रहे है।राहुल के साथ महागठबंधन में बढ़ती तकरार को भांपकर वरिष्ठ नेता अशोक चाचा को गांठ खोलने के लिए पटना भेजे गए । उसके बाद महागठबंधन का बुनियादी काम शुरू हुआ।इस कवायद के नतीजतन बिहार का बुनियादी काम शुरू हुआ है। प्रियंका का खास तौर पर जिक्र है और बिहार चुनाव के प्रसार प्रचार के लिए जरुर भाई का साथ देगी। प्रियंका बिहार चुनाव में ठीक ठीक भूमिका अदा करेगी। राहुल और प्रियंका ने महागठबंधन की बनाई योजना को अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी संभाली और उसे पार लगाने के लिए कांग्रेस और राजद की खोई हुई ताकत को एकरूपता प्रदान करने के लिए मदद करेंगे।2020 में समस्तीपुर में एनडीए ने 5 सीटे जीती थी।महागठबंधन ने 4 और एक सीपीआईएम ने जीत हासिल की गई।पश्चिमी चंपारण और पूर्वी चंपारण ,भागलपुर और मुजफ्फरपुर मोदी ने रैली करके 39 सीटे कवर की थी।उसमें 28 पर एनडीए जीत हसिल की गई।24 अक्टूबर को भाजपा के तमाम दिग्गज नेता प्रचार अभियान में शामिल रहने की खबर है। एनडीए को विजय बनाने 23 अक्टूबर को चुनाव मैदान में उतर चुके है।महागठबंधन में कई सीटो पर फ्रेंडली फाइट के बाद अशोक गहलोत ने विवाद को सुलझाने के बाद अब बिहार में महागठबंधन में कोई गीले शिकवे नही है। बिहार में महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद एनडीए पर नजर मंडरा रही है।लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने तो पहले ही एनडीए के मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा नीतीश कुमार के नाम कर दी गई थी। दरअसल,2015 के चुनाव में नीतीश कुमार एनडीए का हिस्सा नही थे।उस दौर में मोदी ने26 रैलियां की थी।और 191 सीटे कवर कर एनडीए ने 52 सीटे जीती थी। एनडीए में 2015 में रामविलास की एलजेपी,उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएसपी और जीतन मांझी की एचएएम शामिल थी।2015 में मुंगेर,बेगूसराय, समस्तीपुर,जहानाबाद, बक्सर और मधेपुरा में कमजोर वोटिंग हुई थी।लेकिन इसकी भरपाई 2020 में कर दी गई। बिहार में चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई है।दानापुर में यादव के समक्ष यादव की गणित से किसको फायदा होगा,यह कहना जल्दबाजी है।लेकिन टक्कर जोर की रहेगी। बिहार चुनाव में पहले फेज में 35 बागी समीकरण बिगड़ने के लिए उतारू है।देश की नजर बिहार चुनाव पर टिकी हुई है। इस बार बिहार चुनाव दिलचस्प होने वाला है।समस्तीपुर की जनता को मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि आरजेडी के लोग जमानत पर चल रहे है।मोदी ने मोबाइल की लाइट जलाने का आह्वान करके कहा कि इस युग मे लालटेन की क्या जरुरत है? समस्तीपुर में मोदी ने कहा कि इतनी भीड़ में गुजरात मे नही जुटा पाया हूं। जितनी आज देख रहा हूं।त्योहार में इतनी भीड़ जमा होने के बाद मोदी ने आभार व्यक्त किया।इस बार भारी बहुमत से नीतीश कुमार की सरकार बनने का भरोसा दिलाया। बिहार के विकास में मन लगाकर एनडीए सरकार खर्च कर रही है।मोदी ने एक्स पर मैसेज भेजकर बिहार में विकास की रफ्तार का आंकलन करते हुए पूर्व की सरकारों को कोसा।लालू को 15 साल बिहार की जनता ने मौका दिया लेकिन महिलाओं के लिए लालू की सरकार ने कुछ नही किया।यह तंज कसते हुए नीतीश ने कहा कि जब उनको हटना पड़ा तो उनकी धर्मपत्नी को सीएम बना लिया।

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अजरबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।
पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अजरबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस् -देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।
इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान...

निकाल दिया भारत-अमेरिका रिश्तों में आई 'समस्या' का समाधान!

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के 'स्वाभाविक साझेदारी' वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे 'अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण' करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।
जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है।
रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत 'हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी' है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि 'हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे।' यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नजरअंदाज नहीं कर सकता।
देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने 'संघर्ष विराम में मध्यस्थता' की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध 'भारत की कीमत पर नहीं होंगे', लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा।
साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि 'भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है' यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि 'भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है।' इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है।
इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं।
जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव– चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है।
देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकरझरुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद 'मित्रता' की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि 'भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है' दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा।
साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी। जयशंकर ने जिस संतुलन, संयम और सक्रियता के साथ आसियान मंच का उपयोग किया, वह दर्शाता है कि भारत आज केवल प्रतिक्रियात्मक कूटनीति नहीं कर रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक 'पार्टनर' नहीं बल्कि एक 'पोल', यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।

पूर्व राज्यमंत्री/विधायक कांठ कमाल अख्तर के पिता नफीसुद्दीन हिटलर का निधन

अधिवक्ताओं ने जताया शोक, 2 मिनट का मोन रखकर आत्मा शांति के लिए ईश्वर से की प्रार्थना

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील बार एसोसिएशन हसनपुर द्वारा आयोजित शोक सभा में तहसील बार हसनपुर के पूर्व सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता/ पूर्व राज्यमंत्री तथा कांठ के विधायक कमाल अख्तर के पिता नफीसुद्दीन हिटलर के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक और दुख व्यक्त किया गया। अधिवक्ताओं द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। पूर्व अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा स्व. हिटलर को एक वरिष्ठ राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता,संघर्षशील, ज्ञापन, धरने और विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से किसानों, मजदूरों और आम जनता की समस्याओं के निराकरण को सदैव तत्पर, ईमानदार व निर्विवादित व्यक्तित्व, अपनत्व और प्रेमपूर्ण हृदय के स्वामी, ओजस्वी और प्रखर वक्ता बताते हुए उनके निधन को सम्पूर्ण समाज की अपूर्णीय क्षति बताया। उपाध्यक्ष ओमपाल गुर्जर तथा महासचिव मदन कुमार ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए शोक में न्यायिक कार्यों से विरत रहने की घोषणा की। शोक सभा में बार के उपाध्यक्ष ओमपाल सिंह, महासचिव मदन कुमार, पूर्व अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी, गंगा सरन खड़गवंशी, महावीर सिंह चौहान, महीपाल सिंह, शिवचरन सिंह,वीर सिंह, नरेश पाल सिंह,सुबोध शर्मा, सुनील भटनागर, आफताब आलम, गजेंद्र सिंह, विजेंद्र गहलोत, रामचंद्र, जयप्रकाश सैनी, शफीक अहमद, इसरार खान, अरविंद शर्मा, राजेंद्र सिंह, नितिन कुमार,बृजेश गुप्ता,संजय कुमार इब्नुल हसन, सुरेंद्र विधूड़ी, करन सिंह आदि दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने पेट्रोल पंप लूट के तीन अभियुक्तों को दबोचा, 15,000 रुपये और स्विफ्ट कार बरामद

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना गजरौला पुलिस और पीआरवी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में पुलिस ने मुरादाबाद के जय दुर्गा फिलिंग स्टेशन पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटे गए 15,000 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार की सुबह मुरादाबाद के थाना मुंढापांडे क्षेत्र के ग्राम बुजपुर आशा स्थित जय दुर्गा फिलिंग स्टेशन पर अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा स्विफ्ट डिजायर कार में पेट्रोल पंप पर 1,600 रुपये का तेल डलवाया। जब सेल्समैन मक्खन सिंह ने पैसे मांगे, तो अभियुक्त 20,000 रुपये से भरा थैला लूटकर फरार हो गए। पेट्रोल पंप मालिक अभय यादव ने इसकी सूचना डायल 112 पर दी। सूचना मिलने पर गजरौला पुलिस और पीआरवी ने काकाठेर मोड़ पर चेकिंग के दौरान कार को रोकने की कोशिश की जिस पर कार सवारों के द्वारा पुलिस की गाड़ी में टक्कर मारते हुए फरार हो गए। पुलिस से भागने के दौरान अभियुक्तों की कार आगे जाकर डिवाइडर से जा टकराई जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों,अमित यादव (नोएडा), किट्टू उर्फ भानू (दिल्ली), और जतिन (दिल्ली) को धर दबोचा। उनके कब्जे से 15,000 रुपये बरामद किए गए, जबकि उनका एक साथी सन्नाटा (दिल्ली) मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे नैनिताल से लौट रहे थे और लालच में आकर पेट्रोल पंप पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। थाना गजरौला और थाना मुंढापांडे में इस मामले में मुकदमे दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

धान की धीमी तौल से किसान परेशान,दिन रात कर रहे नंबर आने का इंतजार

धानों में नमी व कालापन बताकर वापस लौटाए जा रहे किसान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनोरा की मंडी समिति में धान की धीमी तौल के कारण किसान बेहद परेशान हैं जिस कारण किसानों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।अपनी फसल की सुरक्षा के लिए किसानों को दिन रात मंडी समिति में रूकना पड़ रहा है। किसानों को धान की फसल में नमी व कालापन बताकर वापस किया जा रहा है, जिस कारण किसानों को फसल औने पौने दामों में बिकने की चिंता सता रही है। किसान अपना धान लेकर मंडी समिति पहुंच रहे हैं, लेकिन समिति में तोल प्रक्रिया बेहद धीमी है, इस कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें रात में ही नंबर लगाने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि पहले ब्लॉक में धान तौल के लिए आठ केंद्र थे जो अब घटकर केवल दो समितियां पर रह गए हैं। अहरौला माफी गांव के बुजुर्ग किसान हरिराम शर्मा ने बताया कि वह गुरुवार से अपनी फसल लेकर मंडी समिति में खड़े हैं चार दिन से वह अपनी ट्रैक्टर ट्रॉली पर धान के कट्टों के ऊपर चारपाई डालकर दिन-रात अपनी फसल की सुरक्षा कर रहे हैं, रात दिन यहीं रहकर वह बंदरों से अपनी माल की रखवाली कर रहे है। रघुवीर सिंह रामसहाय और शाकिब सैफी जैसे अन्य किसानों ने भी तौल न होने से हो रही परेशानी साझा की है। जागरूक किसान सुमित यादव ने बताया कि धान को नमी वाला या काला धान बताकर किसानों को यहां से वापस भेजा जा रहा है, जिसके बाद किसानों को इससे बाहर व्यापारी को कम दामों पर बेचना पड़ रहा है, इस संबंध में धनोरा की उप जिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव ने बताया कि शासन के नियमों के अनुसार ही तौल की जा रही है ,उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि धान में 17% से अधिक नमी या कालापन पाया जाता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने डिप्टी आर.ओ. से बात कर तोल प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन दिया है।

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत हैबतपुर बंजारा में जागरूकता चौपाल का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-5.0) को (मेगा इवेन्ट) महिला कल्याण विभाग द्वारा प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन द्वारा निर्गत मिशन शक्ति (फेज-05) की कार्ययोजना 27 अक्टूबर से 03 नवंबर तक जागरूकता चौपाल आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। तत्क्रम में जिलाधिकारी के नेतृत्व/निर्देशन में जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार सोमवार को जनपद अमरोहा के ब्लॉक हसनपुर की ग्राम हैबतपुर बंजारा में जागरूकता चौपालह्लह्ल का आयोजन किया गया। जिसमें घरेलू हिंसा एवं दहेज उन्मूलन विषय पर चर्चा किया गया कि दहेज एक सामाजिक अभिशाप है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम-1961 के अंतर्गत दहेज से कोई ऐसी सम्पत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति अभिप्रेत है जो विवाह के समय या उसके पूर्व या विवाह के पश्चात किसी समय विवाह के एक पक्षकार द्वारा विवाह के दूसरे पक्षकार को या विवाह के किसी पक्षकार के माता-पिता द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विवाह के किसी भी पक्षकार को या किसी अन्य व्यक्ति को, या तो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दी गई है, या दी जाने के लिए करार की गई उन सभी को सजा का प्रावधान है। दहेज लेना व देना कानूनी अपराध है। इसके अलावा हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की टीम द्वारा महिला कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098 ,181 और एंबुलेंस सेवा 102 और 108 के बारे में बताया गया। इसके अलावा वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा वन स्टॉप सेंटर की जानकारी और चाइल्ड लाइन द्वारा बाल श्रम तथा बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा बच्चों के कानूनी अधिकार और बाल विवाह व बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया गया। इस अवसर पर हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) के कार्मिक अपूर्वा सहायक लेखाकार, सखी वन स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे, सेन्टर मैनेजर, करूणा निधि, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

फर्जी अस्पताल का पदार्फाश, नेत्र परीक्षक पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिना डिग्री के प्रसव कर जनता के स्वास्थ्य से कर रहा था खिलवाड़

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र की कृष्णा कुंज कालोनी में 'अहसान अस्पताल' के नाम से संचालित एक फर्जी चिकित्सालय का खुलासा हुआ है। यहां बिना किसी वैध डिग्री के खुद को डॉक्टर बताकर इलाज किया जा रहा था, जिसमें गर्भवती महिलाओं का प्रसव भी शामिल था। स्वास्थ्य विभाग की टीम, नायब तहसीलदार चन्दौसी और क्षेत्राधिकारी बहजोई की संयुक्त टीम ने शनिवार (25 अक्टूबर) को छापेमारी कर अस्पताल को सील कर दिया। अस्पताल मालिक व मुख्य आरोपी नेत्र परीक्षक उवैस खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार, 25 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि उक्त अस्पताल में बिना योग्यता के इलाज किया जा रहा है, जिससे जनता के स्वास्थ्य को खतरा हो रहा है। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि संगीता पत्नी राजू निवासी नारायण टोला बहजोई का प्रसव हो रहा था, जबकि अन्य महिलाएं भी प्रसव के लिए भर्ती थीं। अस्पताल में डॉक्टर मौ. आजम (एमडी फिजिशियन), डॉ. मौ. हसीब बैग और डॉ. मंसूर बैग की नियुक्ति का दावा किया गया था, लेकिन मौके पर कोई चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। न ही कोई स्त्री रोग विशेषज्ञ या शिशु रोग विशेषज्ञ था। अस्पताल में क्रिटिकल केयर की कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे गंभीर स्थिति में मरीजों की जान को खतरा हो सकता था। अस्पताल का संचालन उवैस खान पुत्र अहसान,निवासी बैहटा सरथल, थाना सोनकपुर, जनपद मुरादाबाद; वर्तमान पताः कृष्णा कुंज कालोनी, थाना बहजोई, सम्भल,द्वारा किया जा रहा था। उवैस खान नेत्र परीक्षक है, लेकिन खुद को डॉक्टर बताकर सभी प्रकार के रोगों का फर्जी इलाज कर रहा था। पूछताछ में उसने कबूल किया कि अस्पताल का रजिस्ट्रेशन में किसी स्त्री रोग विशेषज्ञ का उल्लेख नहीं है और उसके पास कोई वैध चिकित्सा डिग्री या प्रमाण पत्र नहीं है। वह बिना योग्यता के गर्भवती महिलाओं का प्रसव करा रहा था, जिससे मरीजों की जान को जोखिम पैदा हो रहा था। छापेमारी के दौरान टीम ने अस्पताल से घटना से संबंधित सभी उपकरण बरामद किए। थाना बहजोई में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। आरोपी उवैस खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी की है कि ऐसे अवैध चिकित्सालयों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध अस्पताल या क्लिनिक में इलाज कराने से पहले इसकी वैधता जांच लें।

महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए पुलिस का जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत जनपद सम्भल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले के सभी थानों में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर बालिकाओं को जागरूक किया और महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए कदम उठाए। इन कार्यक्रमों में महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया। मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला पुलिसकर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी.एम. स्वानिधि योजना, पी.एम. सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना आदि शामिल हैं। महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सी.एम. हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे में जागरूक किया। साथ ही, आपात स्थिति में मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन के उपयोग का डेमो भी दिखाया गया।
इस अभियान के माध्यम से सम्भल पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को न केवल सुरक्षित वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित भी किया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने तिगरी गंगा मेला में प्रशासनिक कैंप में सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट के साथ बैठक कर दिए जरूरी निर्देश

सभी मजिस्ट्रेट निरंतर भ्रमण कर अपने सेक्टर में व्यवस्थाओं को परखते रहेः- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तिगरी गंगा मेला स्थल पर प्रशासनिक कैंप में सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट से एक-एक करके जानकारी ली कि उनके सेक्टर में क्या व्यवस्था है, क्या पूर्ण हो गई है, क्या शेष है और उसके साथ जो कमियां है उसको दूर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि निरंतर भ्रमण कर अपने सेक्टर में व्यवस्थाओं को परखते रहे। इसके उपरांत उन्होंने घाटों एवं अन्य स्थलों का निरीक्षण किया और ड्यूटीरत अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने सैक्टर के अन्तर्गत आने वाले श्रद्धालुओं की समस्याओं का तत्काल निराकरण करायें तथा किसी अन्यथा की स्थिति से जोनल मजिस्ट्रेट/मेला मजिस्ट्रेट/मेला अधिकारी को अवगत करायें। उन्होंने घाट मजिस्ट्रेट को विशेष सतर्कता बरतने को कहा और निर्देशित किया कि सभी घाट मजिस्ट्रेट घाटों पर जो भी आवश्यक व्यवस्था है उनकी समीक्षा कर ले और सुनिश्चित किया जाएगी कहीं पर भी अगर बलिया हट जाय या टूट जाए तो तत्काल दूसरी लगवाएं। संकेतक भी लगे रहे। उन्होंने सभी से मेले के नक्शे का गहनता से अवलोकन करने के निर्देश दिए। सभी घाट मजिस्ट्रेट घाटों पर जो भी आवश्यक व्यवस्थाएं हैं उसको सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने सभी को साफ सफाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी को अपनी अपनी जिम्मेदारियां का अच्छे से निर्वहन करने के निर्देश दिए। समस्त जोनल मजिस्ट्रेट आवंटित सेक्टरों में निरन्तर भ्रमण करेगें तथा अपने सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा उपजिला मजिस्ट्रेट धनौरा / मेला मजिस्ट्रेट से निरन्तर सम्पर्क में रहेंगे तथा आवंटित सेक्टरों में श्रद्धालुओं को आने वाले समस्याओं का निराकरण सम्बन्धित सेक्टर मजिस्ट्रेट के माध्यम से तत्काल करायेंगे। सभी तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने आवंटित सेक्टर के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखना भी सुनिश्चित करें। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सुनिश्चित कराएं कि स्नान के लिए जो 21 घाट बनाए हैं उसके उसके अतिरिक्त कोई भी अलग न नहाए। उन्होंने सभी मजिस्ट्रेट से मेला स्थल पर सभी मुख्य स्थल जैसे हॉस्पिटल, कंट्रोल रूम, खोया पाया केंद्र, महिला शक्ति केंद्र का जरूर भ्रमण कर लें। इसके साथ उन्होंने सभी मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया गया अपने सेक्टर में व्यवस्थाओं को परख परखते रहे अगर कहीं पर भी कोई समस्या है तो उसका तत्काल निराकरण कराएं। सभी मजिस्ट्रेट मेला क्षेत्र में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखें। कहा कि एक भी अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। सभी सेक्टरमें में प्रकाश व्यवस्था, पेजयल व्यवस्था, शौचालय, साफ सफाई सुनिश्चित करने के साथ निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक, ब्लॉक प्रमुख गजरौला वीरेंद्र सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद धनौरा प्रवीण अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, समस्त जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

कार्यालय खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी, अमरोहा
पत्रांकः-...../पारावी/गंगा मेला/ 2025- 26 दिनांक 28/10/2025
अतिअल्पकालीन निविदा सूचना
प्रधान/सचिव, ग्राम पंचायत पोरारा,विकासखंड गंगेश्वरी,अमरोहा
उप जिलाधिकारी महोदय हसनपुर द्वारा आयोजित बैठक में निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम पंचायत पोरारा में लगने वाले गंगा मेले के लिए निम्न व्यवस्था की जाएः -
1. 24 शौचालय
2. 12 हैडपंप
3. 06 टेंट सेट
4. पार्किंग बेरिकेटिंग
5. मेला मेन गेट
6. गंगा घाट की बैरिकेटिंग बांस बल्ली
7. स्टीमर और नांव
8. मेला ग्राउंड समलीकरण
9. रास्तों का समतलीकरण
10. पुलिस चौकी निर्माण 11. साउंड लाउडस्पीकर
12. मेला के लिए 25 केवी जेनरेटर
13. लाइट व्यवस्था
14. ट्रैक्टर जेसीबी से समतलीकरण
15. पूरे मेले को व्यवस्थित करना
उक्त कार्य पर होने वाला समस्त व्यय राज्य वित्त आयोग/स्वयं के संसाधनों से किया जा सकता है।
अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त समस्त व्यवस्थाएं दिनांक 03/10/2026 से पूर्व करना सुनिश्चित करें तथा कृत कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें
(अश्वनी कुमार) खंड विकास अधिकारी, गंगेश्वरी, अमरोहा
प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत पोरारा, विकासखंड गंगेश्वरी, अमरोहा

शिक्षा मंत्री ने बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण, माध्यमिक शिक्षा विभाग संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में शिक्षा मंत्री माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को डी0पी0एस0 अतरासी रोड अमरोहा में माध्यमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। शिक्षा मंत्री ने समीक्षा बैठक में बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण, माध्यमिक शिक्षा विभाग संचालित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की। शिक्षा मंत्री ने विकसित भारत इ४'ईँङ्ल्ल 2025, विद्यांजलि पोर्टल पर राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के पंजीकरण, इको क्लब फॉ लाइफ पोर्टल पर नोटिफिकेशन एवं वृक्षारोपण के फोटो अपलोड करने के लिए प्रेरित किया। समस्त प्रधानाचार्य को एक टीम भावना से पुरजोर मेहनत और परिश्रम कर बोर्ड परीक्षा में अपने विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन करने का संकल्प दिलाया। शिक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा 2025 में इंटरमीडिएट की परीक्षा में जनपद अमरोहा का प्रथम और हाई स्कूल परीक्षा में 16 वा स्थान प्राप्त करने पर प्रधानाचार्य को बधाई दी। माननीय शिक्षा मंत्री ने प्रधानाचार्य से विद्यालयों का समय 9:00 बजे से 3:00 बजे तक करने हेतु सलाह मांगी। समीक्षा बैठक में समस्त राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक ललित कुमार, उप जिलाधिकारी चंद्रकांता, डॉ अर्चना शर्मा डॉ0 धर्म सिंह, स्नेह लता, पूनम रानी वर्मा, नीतू, सिंह, पवन कुमार त्यागी, अनिल कुमार, विजयपाल सिंह, संजीव कुमार, ओम प्रकाश, विकास कुमार, अशोक कुमार, सतीश कुमार, आदि प्रधानाचार्य एवं प्रभारी प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक ने किया।

जनकल्याण सेवा समिति ने निर्धन कन्या के विवाह में किया सहयोग

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जन कल्याण सेवा समिति चंदौसी की सदस्यों ने एक निर्धन कन्या के विवाह में सहयोग हेतु रेखा रस्तोगी के सुभाष रोड स्थित आवास पर एकत्रित होकर सहयोग में 11 साड़ी एक बेडशीट, 15 घरेलू उपयोगी बर्तन, ज्वैलरी तथा कुछ गिफ्ट आइटम्स एवं ड्ट 3100 की नगद धनराशि से सहयोग किया। समिति द्वारा निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग की कड़ी में यह 27वीं निर्धन कन्या के विवाह में किया गया सहयोग है। सहयोग करने वाली सदस्यों में अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ,रेखा रस्तोगी आशा गोस्वामी ,भावना गुप्ता, संगीता शर्मा,मनीषा, सारिका, अंशु वार्ष्णेय, सोनी रस्तोगी, कांता अदलखा, आभा,अनामिका सिंह,पूर्णिमा , रेखा अग्रवाल , आशा रस्तोगी,आदि का सहयोग व सहभागिता रही।

दहेज मांगने और शादी का झांसा देकर धोखा देने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

बनियाठेर/सम्भल(सब का सपना):- थाना बनियाठेर पुलिस ने कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के तहत चलाए गए अभियान में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। पुलिस ने दहेज मांगने और शादी का झांसा देकर धोखा देने के मामले में अभियुक्त इसराइल, पुत्र इकरार, निवासी ग्राम नैहटा, थाना बनियाठेर, जनपद सम्भल को गिरफ्तार किया है।kआपको बता दें 3 अक्टूबर को थाना बनियाठेर में वादिनी की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। वादिनी ने आरोप लगाया था कि अभियुक्त इसराइल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और शादी तय होने के बाद दहेज में सभी सामानों की मांग की। दहेज की मांग पूरी न होने पर अभियुक्त ने शादी से इनकार कर दिया। इसके अतिरिक्त, वादिनी के रिश्तेदारों द्वारा अभियुक्त के घर जाकर शादी के लिए कहने पर अभियुक्त ने गाली-गलौज की। इस मामले में थाना बनियाठेर में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

27 अक्टूबर को थाना बनियाठेर पुलिस टीम ने अभियुक्त इसराइल को मझावली चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई क्षेत्र में अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस की सक्रियता को दशार्ती है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस तरह की घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाया जाएगा और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जनता से अपील की गई है कि वे ऐसी घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

सुमित बनें वैश्य एकता समिति के नगर अध्यक्ष

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- वैश्य एकता समिति (रजि०) उत्तर प्रदेश के अंतर्गत नगर चंदौसी के नगराध्यक्ष पद हेतु नगर के बारहसैनी धर्मशाला में मतदान प्रकिया के तहत चयन किया गया। चुनाव में कुल 03 प्रत्याशियों गोपाल वार्ष्णेय, सुमित वार्ष्णेय एवं मयंक वार्ष्णेय ने दावेदारी की। मतदान 85% प्रतिशत रहा कुल 75 वोट पड़े जिसमें सुमित वार्ष्णेय को 45 वोट, मयंक वार्ष्णेय को 27 वोट एवं गोपाल वार्ष्णेय को 03 वोट प्राप्त हुए। विजेता उम्मीदवार को चुनाव अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। चुनाव अधिकारी की भूमिका में समिति के लवित वार्ष्णेय, आकाश वार्ष्णेय, विपिन बालाजी, दीपेश वार्ष्णेय, एड प्रवीण गुप्ता रहे। मतदाताओं ने वोट डालने के बाद सेल्फी पॉइंट में सेल्फी खिंचवाते हुए लोकतन्त्र के महोत्सव को धूमधाम के साथ मनाया। मतदान प्रकिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न हुई। इस मौके पर समिति के संरक्षक गणों में मौसम गुप्ता, कपिल गुप्ता ओएलएफ, शोभित अग्रवाल लखानी, क्षितिज गुप्ता, राघव लोचन, अमित वार्ष्णेय, रोमिल वार्ष्णेय बिट्ठू, मनोज गुप्ता मेडिकल, विकास बूंन, सचिन वार्ष्णेय, भास्कर गुप्ता, रोहित गुप्ता एलआईसी इशांक गोयल आदि लोग उपस्थित रहे।

आईईसी टीम ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- स्वच्छता कार्यक्रमो को लेकर शासन ने नगर पालिकाओं पर पेनि नजर गड़ा रखी है जिसे लेकर नगर पालिका परिषद चन्दौसी भी हरकत में आती दिख रही है। आपको बता दे कि वार्ड नंबर 10 से स्वच्छ्ता सम्बन्धित जागरूकता अभियान सोमवार से शुरू किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता संस्थान एनजीओ की बीस सदस्यीय टीम सड़को, कॉलोनियों और बाजारो में उतर चुकी है जो जगह जगह जाकर लोगो से गीला कचरा व सूखा कचरा अलग कर कूड़ा गाड़ी को देने की बात आमजन तक पहुचा रही है। ज्ञात रहे कि इसके लियें संस्था एक सर्वे फार्म भरवाकर जागरूकता फैलाने का काम कर रही है। बताया गया है भविष्य में ऐसे क्रियाकलापो और फीडबैक से नगर की सफाई व्यवस्था बहतर होगी। जागरूकता कार्यक्रम में अध्यक्ष नोमान, जमाल, हरपाल सिंह, बबलू मसूदी, प्रियंका रानी, रिजवान, रमा भारती, संजी देवी, अजय सक्सेना आईटीसी के करन कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया मिजार्पुर नसरुल्लापुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण, दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने विकासखंड बहजोई के उच्च प्राथमिक विद्यालय मिजार्पुर नसरुल्लापुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उपस्थित पंजिका की जांच की। जिलाधिकारी ने रेनवाटर हार्वेस्टिंग, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने "समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश@2047" के विजन डॉक्यूमेंट के तहत बच्चों के अभिभावकों और ग्रामीणों से अधिक से अधिक सुझाव और फीडबैक प्राप्त करने के निर्देश दिए, ताकि शासन की नीति निर्माण में स्थानीय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी पोप सिंह, अध्यापक और अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी के इस दौरे से स्कूल प्रशासन में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की कवायद तेज हो गई है।

तिगरी गंगा मेले में इस बार भी रहेगी संस्कृति कार्यक्रमों की धूम

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के तिगरी गंगा धाम में इस बार भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। मेले का विधिवत शुभारंभ मंगलवार यानी कल को होगा। हालांकि संस्कृत कार्यक्रमों का आयोजन 1 नवंबर से शुरू होगा। जिसमें विभिन्न कलाकार संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। मेले को भव्य और यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत 1 नवंबर से गंगा पूजन और महाआरती के साथ होगी। इसके बाद धनौरा के ब्लू बर्ड्स स्कूल के विद्यार्थी प्रस्तुति देंगे। नत्यांजलि फाउंडेशन लखनऊ द्वारा रामलीला मंचन और फोक डांस भी प्रस्तुत किए जाएंगे। वही 2 नवंबर को वृंदावन में बांसुरी ग्रुप द्वारा कृष्णा नित्य वाटिका का आयोजन होगा। इसी दिन टीवी कलाकार रजत सूद का कॉमिडी शो और जादूगर जुगनू का मैजिक शो भी देखने को मिलेगा। 3 नवंबर को रागनी कलाकार और हरियाणवी डांस ग्रुप की रुचिका जांगिड़ का डांस शो भी आयोजित होगा। बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर आकांक्षा शर्मा भी प्रस्तुति देंगी। इसके बाद 4 नवंबर को अमेरिका टैलेंट शो में श्रेया खन्ना का डांस शो ओर बॉलीवुड सिंगर निष्ठा शर्मा का म्यूजिकल इवेंट होगा। इन आयोजनों के अलावा कॉमेडियन और टीवी कलाकार राजन श्रीवास्तव का कॉमेडी शो ओर एक कवि सम्मेलन भी मेले में आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकास खंडों की प्रगति पर बैठक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकास खंडों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार ने प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आकांक्षात्मक ब्लॉकों के सभी पैरामीटर्स को संतृप्त करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। विशेष रूप से असमोली और गुन्नौर विकास खंडों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी इंडीकेटर्स में सुधार लाने पर जोर दिया गया। उन्होंने संस्थागत प्रसव और आईसीडीएस से संबंधित पैरामीटर्स पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी विभागों को अपने डेटा की जांच करने और प्रगति में तेजी लाने का आदेश दिया। बैठक में उप कृषि निदेशक, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) और अन्य संबंधित अधिकारियों ने आकांक्षात्मक पैरामीटर्स पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों से समन्वय बनाकर कार्य करने और विकास खंडों की प्रगति को समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने पर बल दिया।

इनर व्हील कल्ब आफ द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में इनर व्हील क्लब आफ द्वारा राष्ट्रीय सेविका समिति के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आर्य समाज मंदिर,अमरोहा में उपस्थित , जिले की विभिन्न स्कूलों की छात्राओं को केयर फॉर वूमेन प्रोजेक्ट के अंतर्गत हेल्थ, हाइजीन, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरुक करने हेतू डॉक्टर्स के द्वारा जानकारी सांझा की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी छात्राओं को पौष्टिक आहार, केला, बिस्किट, नींबू पानी, चाय आदि बाटे गए। क्लब अध्यक्षा शर्मिला गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा क्लब सचिव डॉ सीमा अग्रवाल ने छात्राओं को हाइजीन और कैंसर से बचाव के प्रति जागरुक किया। इस अवसर पर रीना माथुर, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन उपस्थित रही

सुभासपा का 23वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

अमरोहा (सब का सपना):- सामाजिक न्याय, समान अधिकार और सम्मान की लड़ाई को नई दिशा देने वाली सुभासपा कार्यकताओं ने अपना 23वां स्थापना दिवस जिला कार्यालय अमरोहा पर हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने की जबकि बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि पार्टी के संस्थापक ओमप्रकाश राजभर ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुँचाने की जो मुहिम शुरू की थी वह आज एक व्यापक सामाजिक आंदोलन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि सुभासपा ने हमेशा गरीब, वंचित, पिछड़े और दलित समाज के हक और अधिकार के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि सुभासपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव और सम्मान की आवाज है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे राजभर जी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय और समानता के इस आंदोलन को गांव-गांव, गली-गली तक पहुँचाएं ताकि समाज के हर वर्ग को उसका अधिकार मिल सके। स्थापना दिवस समारोह में पार्टी कार्यकताओं ने केक काटकर और नारे लगाकर उत्सव का माहौल बना दिया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि 23 वर्षों की यह यात्रा संघर्ष, समर्पण और सेवा की मिसाल है जिसने समाज के हाशिए पर खड़े व्यक्ति को भी अपनी आवाज दी है। समारोह में एकजुटता जोश और नए संकल्प का जज्बा साफ झलकता दिखा। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, आदेश अमरोही यूनुस सैफी प्रधान, बाबूराम पाल, जगत सिंह गुर्जर, इस्लामउद्दीन इदरीसी, जमालुद्दीन, प्रेम सिंह भगत, सद्दीक अहमद विपिन कुमार शाहरुख सैफी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हिसार में मनाया गया संत नामदेव जी महाराज राज्य स्तरीय समारोह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की शिरकत

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार द्वारा संतों और महापुरुषों के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत आज हिसार में संत नामदेव जी महाराज राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।मुख्यमंत्री ने संत नामदेव जी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक है। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और असमानता को मिटाकर मानवता को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग के अनुसार प्रदेश में किसी एक सरकारी संस्थान का नाम संत नामदेव जी महाराज के नाम पर रखने की घोषणा की। इसके अलावा, समाज की विभिन्न धर्मशालाओं के रख- रखाव और सोलर पैनल लगवाने के लिए 51 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भिवानी, पानीपत और नारनौल में समाज द्वारा जमीन के लिए आवेदन करने पर नियमानुसार भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके अलावा समाज द्वारा दी गई अन्य मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर पूरा करवाने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत नामदेव जी हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखते थे और इसी भाव से उन्होंने समाज में फैली जातिवाद, छुआछूत और असमानता जैसी बुराइयों को मिटाने का काम किया। उन्होंने बताया कि सच्चा धर्म वही है जो मानव को मानव से जोड़े और जो दूसरों के दुःख को अपना दुःख माने। उन्होंने कहा कि संत नामदेव जी का मेहनत, भक्ति और ईमानदारी से जीवन जीने का संदेश हरियाणा की सामाजिक चेतना में भी गहराई से रचा-बसा है। हरियाणा का श्रमिक वर्ग, किसान, कारीगर, दर्जी, लोहार, और हर परिश्रमी समुदाय, संत नामदेव जी की उसी भावना को अपने कर्म में जीता है।

हरियाणा में सद्भाव, सौहार्द और समान विकास के साथ आमजन की जिंदगी में आ रहा सुखद बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सद्भाव, सौहार्द, समान विकास, समरसता और सहिष्णुता के साथ ऐसे परिवर्तन किए हैं, जिनसे आम नागरिक का जीवन अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित बना है। आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ती। आज हरियाणा में आम आदमी की आशाएं और आकांक्षाएं साकार हो रही हैं तथा उनके सपनों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार संतों और महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए समर्पित है। सरकार का पहला और प्रमुख लक्ष्य समाज के सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने में संतों-महापुरुषों की शिक्षाएं आज भी हैं प्रासंगिक

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 21वीं सदी के विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं, तब संत नामदेव जी की शिक्षाएं हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जब देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है, तो यह मंत्र भी संत परंपरा से ही प्रेरित है।उन्होंने कहा कि संत-महात्मा, गुरु और महापुरुष न केवल हमारी अमूल्य धरोहर हैं बल्कि हमारी प्रेरणा भी हैं। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को सम्भालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है।इसलिए सरकार द्वारा संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य यह है कि नई पीढ़ी उनके जीवन व कार्यों से प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त करे। इस समारोह का आयोजन भी इसी योजना के तहत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन पर चलते हुए अन्त्योदय अभियान में उन परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है, जो किन्हीं कारणों से पिछड़े रह गए।

पहले की सरकारें ओबीसी समाज को केवल वोट बैंक के लिए इस्तेमाल करती थी

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से ओबीसी आयोग ही नहीं था। उस समय की सरकार ओबीसी समाज को केवल वोट बैंक के लिए इस्तेमाल करती थी, लेकिन उन्हें उनके अधिकार कभी नहीं मिले। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी आयोग बना कर ओबीसी वर्ग के लोगों को उनके अधिकार देने का काम किया है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने गरीब व्यक्ति का हमेशा शोषण किया है। वोट बैंक की राजनीति ही की है। हरियाणा में वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार ने गरीबों को 100- 100 गज के प्लॉट देने की बात कही थी लेकिन न तो उन्हें प्लॉट का कागज दिया न ही कब्जा दिया। वे लोग दर- दर भटक रहे थे। हमारी सरकार आने के बाद हमने उन लोगों को प्लॉट के कागज़ भी दिए और कब्जा भी दिया।

ऑक्शन में 80 एकड़ जमीन दिलाने का झांसा देकर 3.29 करोड़ ठगे

फरीदाबाद। बीपीटीपी थाना इलाके में एक कारोबारी को जमीन दिलाने के नाम पर 3.29 करोड़ रुपये ठग लिए गए। कारोबारी ने आरोप लगाया है कि इसमें बैंक कर्मचारियों की भी मिलीभगत है। आरोपियों ने फर्जी ईमेल आईडी से खाता नंबर भेजकर उसमें रुपये ट्रांसफर करा लिए। बैंककर्मियों के अलावा दो अन्य लोगों पर भी आरोप लगा है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि बीपीटीपी थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।पुलिस को ये शिकायत सेक्टर-17 स्थित बिल्डर कंपनी के निदेशक शुभम जैन ने दी है। आरोप है कि करीब नौ महीने पहले कंपनी के एक शेयर होल्डर की मुलाकात संजय गर्ग नामक व्यक्ति से हुई थी। उन्होंने बताया कि उनका परिचित मुंबई निवासी पीयूष पांडेय आर्सेक इंडिया लिमिटेड में कार्यरत है। ये दोनों मिलकर बैंक की अधिग्रहित प्रॉपर्टी में डील करते हैं। इसके बाद संजय गर्ग बिल्डर कंपनी अधिकारियों के संपर्क में रहा।आरोप है कि पीयूष पांडे ने आर्सेक इंडिया लिमिटेड कंपनी की एक फर्जी ईमेल आईडी तैयार कर 80 एकड़ जमीन को ऑक्शन में दिलाने का झांसा दिया। इसके लिए आरोपी ने एक खाता नंबर देकर उसमें 3.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए।

नशे के विरुद्ध संघर्ष में सराहनीय कार्य करने वालों को मिलेगा प्रोत्साहन, लापरवाही बरतने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना प्राथमिकता

हरियाणा में नशे के खिलाफ कार्रवाई होगी और मजबूत, बॉर्डर क्षेत्रों में बढ़ेगी एचएसएनसीबी की ताकत

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन पुलिस थाना क्षेत्रों में नशे के विरुद्ध पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां लापरवाही या ढिलाई बरती जा रही है, वहां सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखना चाहिए ताकि अन्य कर्मियों को भी संदेश जाए कि नशे के खिलाफ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मान मिलेगा, और जहां नशा फैल रहा है वहां कठोर कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज यहां नशा मुक्त भारत अभियान योजना के सम्बन्ध में आयोजित एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे

श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि नशा मुक्त घोषित गांवों का नियमित पुनर्मूल्यांकन किया जाए और अन्य राज्यों के साथ लगती प्रदेश की सीमा क्षेत्रों में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ताकत बढ़ाई जाए। इसके साथ ही विशेषज्ञों को भी टीम में शामिल कर नशे की आपूर्ति पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को नशे के खिलाफ संयुक्त अभियान को तेज करने, एनफोर्समेंट, डी-एडिक्शन और अवेयरनेस के तीनों पहलुओं पर समान रूप से काम करने और पंचायतों को सक्रिय भागीदार बनाने का निर्देश दिया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अन्य सम्बंधित विभागों के साथ एक व्यापक अभियान चलाकर नशे की गिरफ्त में आए युवाओं की गंभीरता से स्क्रीनिंग सुनिश्चित करे। इस सम्बन्ध में तह तक जाकर पूरी जांच-पड़ताल की जाए। यह पता लगाया जाए कि नशा कहां से और किन स्रोतों से लाया जा रहा है। इस प्रकार नशे की पूरी सप्लाई चैन को पकड़कर उस पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। हमारा उद्देश्य केवल नशे को रोकना नहीं है, बल्कि नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को पुनः समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, सेवा विभाग और स्वास्थ्य विभाग मिलकर नशे के खिलाफ संयुक्त अभियान की मुहीम को और तेज करें जिससे इस बुराई को जड़ से समाप्त किया जा सके। साथ ही, सभी संबंधित विभाग नशे के खिलाफ सशक्त अभियान में पंचायतों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। अच्छा कार्य करने वाली पंचायतों और सरपंचों को सम्मानित किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

स्टेट प्रगति पोर्टल पर 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्टेट प्रगति पोर्टल पर 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न 7 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में ऐसे विभागों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए, जिनकी परियोजनाएं अंतर-विभागीय मुद्दों के कारण समय पर पूर्ण नहीं हो पा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी बैठकों में संबंधित विभागों की उपस्थिति से इन समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा सकेगा, जिससे परियोजनाएं समय पर पूरी हों और नागरिकों को उनका लाभ शीघ्र मिल सके।

मुख्यमंत्री ने हिसार जिले में मिर्जापुर रोड से राष्ट्रीय राजमार्ग-9 को राष्ट्रीय राजमार्ग-52 से जोड़ने वाली चार लेन सड़क

भादरा सड़क निर्माण, घोगरीपुर से हरियाणा-दिल्ली सीमा तक दो लेन वाली रिलीफ रोड के निर्माण, नोएडा से फरीदाबाद होते हुए गुरुग्राम तक मास्टर रोड के निर्माण, पश्चिमी फरीदाबाद से पूर्वी फरीदाबाद तक निर्बाध संपर्क प्रदान करने वाली दो लिंक सड़कों के निर्माण, गुरुग्राम में नए न्यायिक परिसर (टॉवर ऑफ जस्टिस) तथा फतेहाबाद सेक्टर-9 में 200 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ये सभी महत्वपूर्ण परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण की जाएं ताकि प्रदेश के विकास कार्यों की गति और तेज हो सके।बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग डॉ. सुमित्रा मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यावरण विभाग विनीत गर्ग, अतिरिक्त मुख्य सचिव सेवा विभाग जी अनुपमा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग अपूर्व कुमार सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग अनुराग, अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने हिसार में "मन की बात" कार्यक्रम सुना

सभी से एकता दिवस पर उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील : मुख्यमंत्री

सभी को "मन की बात" कार्यक्रम में दिए गए उदाहरणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज में सार्थक योगदान देने का प्रयास करना चाहिए

नई दिल्ली, ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस वर्ष के त्यौहार अधिक उत्साह और उद्देश्य के साथ मनाए गए, क्योंकि लोगों ने पर्यावरण-अनुकूल उत्सवों को अपनाया और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया। इस प्रकार, सभी के सामूहिक प्रयासों से, विकसित भारत 2047 का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। उन्होंने छठ महापर्व के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज हिसार में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुन रहे थे। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गगवा भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के संबोधन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 अक्तूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती है जो एक राष्ट्रीय प्रतीक थे, जिन्होंने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे इस दिन देशभर में आयोजित होने वाली ''रन फॉर यूनिटी'' में सक्रिय रूप से भाग लें। यह सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री ने आज के ''मन की बात'' कार्यक्रम में उल्लेख किया है, 7 नवंबर, 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूरे होंगे, जिसकी रचना 150 वर्ष पहले हुई थी और जिसे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में गाया था। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को को गर्व के साथ मनाया जाना चाहिए और इसे भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी प्रेरणा के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ''मन की बात'' के माध्यम से प्रधानमंत्री हर महीने करोड़ों लोगों से जुड़ते हैं और पूरे भारत से आई हुई प्रेरक कहानियाँ साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने देशभर में संस्कृत भाषा, नवाचार और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने वाले युवाओं और लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी को ऐसे उदाहरणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज में सार्थक योगदान देने का प्रयास करना चाहिए।

पलवल को मिली मेट्रो की सौगात, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी, 4,320 करोड़ की परियोजना से जुड़ेगा एनसीआर

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले को बड़ी सौगात मिली। केंद्र सरकार ने मेट्रो विस्तार परियोजना को मंजूरी दी। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। केंद्र सरकार के शहरी विकास एवं आवासन मंत्रालय ने पलवल तक मेट्रो विस्तार की योजना को हरी झंडी दिखा दी है। मेट्रो विस्तार परियोजना पर लगभग 4,320 करोड़ रुपए की लागत आएगी।खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय शहरी विकास एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल का हृदय से आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो विस्तार पलवल के लोगों के सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।उन्होंने बताया कि वे काफी समय से पलवल में मेट्रो चलाने के लिए लगातार प्रयासरत थे। इस सिलसिले में उन्होंने केंद्रीय शहरी विकास एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल से कई बार मुलाकात की और पलवल तक मेट्रो विस्तार का आग्रह किया था। उनकी पहल और लगातार संवाद के चलते परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाया गया।गौरव गौतम ने कहा कि मेट्रो विस्तार से दिल्ली-फरीदाबाद-पलवल के बीच सफर करने वालों को एक बेहतर परिवहन विकल्प मिलेगा। वर्तमान में पलवल से दिल्ली और फरीदाबाद तक यात्रियों को भारी ट्रैफिक जाम और समय की समस्या झेलनी पड़ती है, जिसे मेट्रो काफी हद तक कम करेगी। इसके अलावा, मेट्रो आने से दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19) पर वाहनों का दबाव घटेगा। साथ ही केएमपी-केजीपी एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसी सड़कों से पहले से जुड़ा पलवल अब और अधिक सुलभ बन जाएगा। इससे यह क्षेत्र दिल्ली-एनसीआर के सबसे पसंदीदा निवेश और आवासीय गंतव्यों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। मेट्रो परियोजना से पृथला औद्योगिक क्षेत्र को भी बड़ा लाभ होगा। औद्योगिक इकाइयों तक सुगम परिवहन सुविधा मिलने से नए उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा।

नलवा में 97 विकास घोषणाएं पूरी, 7 पर काम गति से जारी

48 संकल्प पूरे किए, साल के अंत तक 90 और वादे होंगे पूरे - नायब सिंह

नलवा क्षेत्र में विकास की रफ्तार कांग्रेस के कार्यकाल के मुकाबले तीन गुना तेजी से बढ़ी आगे- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया 22 करोड़ रुपये की तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली, ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नलवा क्षेत्र में विकास की रफ्तार कांग्रेस के कार्यकाल से तीन गुना तेजी से आगे बढ़ी है। जहाँ वर्ष 2014 से अब तक वर्तमान सरकार ने नलवा विधानसभा क्षेत्र में 1,168 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं पूरी की हैं, वहीं कांग्रेस सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल में केवल 377 करोड़ रुपये विकास कार्यों पर खर्च हुए । मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में नलवा हलके के लिए कुल 120 घोषणाएं की गईं, जिनमें से 97 पूरी हो चुकी हैं और 7 पर काम गति से जारी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज हिसार में नलवा में आयोजित धन्यवाद रैली में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के मंत्र को आगे बढ़ाते हुए निरंतर विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव से पहले जनता को दिए गए 217 संकल्पों में से 48 संकल्प मात्र एक वर्ष में पूरे हो चुके हैं और इस वर्ष के अंत तक 90 और वादों को पूरा कर लिया जाएगा। इसी प्रकार हिसार ज़िले के लिए भी पांच संकल्प लिए गए हैं, जिनमें औद्योगिक क्लस्टर की स्थापना, हिसार हवाई अड्डे का अंतरराष्ट्रीय कार्गो हब के रूप में विस्तार, सेरेमिक पार्क का निर्माण, अमरुद प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग प्लांट की स्थापना और 800 मेगावाट का नया थर्मल पावर प्लांट शामिल हैं जिन्हें पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार गति से कार्य कर रही है।

किसानों को राहत में वर्तमान सरकार अग्रणी, कांग्रेस से 13 गुना अधिक दिया मुआवजा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के 10 वर्ष में केवल किसानों को फसल खराबे का केवल मात्र 1155 करोड रुपए जारी किये गए, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में फसल खराबे के 15,465 करोड़ रुपये किसानों के खातों में पहुंचाए।

किसान हित सरकार की प्राथमिकता, किसानों की समृद्धि ही हमारा लक्ष्य

हरियाणा सरकार द्वारा गन्ने का समर्थन मूल्य 415 रुपये प्रति क्विंटल तय करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान हित वर्तमान सरकार की नीतियों के केंद्र में है। प्रदेश में अब सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के रूप में 1,48,000 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटिश राज के समय से चली आ रही आबियाना प्रणाली को समाप्त कर किसानों को राहत दी गई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हरियाणा देश का ऐसा राज्य है जहां सामाजिक सुरक्षा पेंशन सबसे अधिक दी जा रही है, जिसे हाल ही में 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,200 रुपये मासिक किया गया है। इसके अतिरिक्त, ÷दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना÷ की शुरुआत की गई है, जिसके तहत गरीब महिलाओं को आगामी 1 नवंबर से 2,100 रुपये मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत कदम

वर्तमान सरकार के विकास और कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' का आह्वान किया है और जीएसटी सुधारों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है।

इस अवसर पर उन्होंने 1,700 करोड़ रुपये की लागत से हिसार को दुनिया से जोड़ने वाले महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे की शुरुआत का भी उल्लेख किया, जहां से विभिन्न शहरों के लिए हवाई सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने हिसार जिला और नलवा विधानसभा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने किया 22 करोड़ रुपये की तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

इस अवसर पर उन्होंने लगभग 22 करोड़ रुपये की तीन नई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें 4.47 करोड़ रुपये की लागत का स्वागत द्वार का उद्घाटन और 17.21 करोड़ रुपये की लागत की मुंशी प्रेम चंद लाइब्रेरी और मुकलान से स्याहड़वा तक सड़क सुदृढ़ीकरण परियोजना का शिलान्यास शामिल हैं।

मुख्यमंत्री दूरदर्शी सोच के साथ अपने सभी चुनावी वादों को कर रहे पूरा - कुलदीप बिश्नोई

पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली अत्यंत प्रभावशाली है और वे लोगों से सीधे संवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दूरदर्शी सोच के साथ अपने सभी चुनावी वादों को पूरा कर रहे हैं। श्री बिश्नोई ने यह भी कहा कि नायब सिंह सैनी ने विपक्ष को बेरोजगार बना दिया है और उनके पास कोई मुद्दा बचा नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार को याद दिलाते हुए कहा कि जनता उसे नहीं भूल सकती। वहीं, भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। पूर्व सांसद ने लोगों से आह्वान किया कि वे उन्नत भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ दें और उन्नत हरियाणा के निर्माण में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हाथ मजबूत करें।

संक्षिप्त समाचार

हूती विद्रोहियों ने दो और यूएन कर्मियों को अगवा किया

सना , एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दो और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को अगवा किया है। यमन में संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ लगातार आक्रामक तेवर दिखा रहे हूती लड़ाकों ने जिन्हें अगवा किया है उसमें एक महिला भी शामिल है, जिनकी हालत गंभीर है। शनिवार को यमन की राजधानी सना में विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की दो महिला कर्मचारियों को घर से अगवा किया गया। इनमें से एक महिला ने हाल ही में मात्र सप्ताह भर पहले बच्चे को जन्म दिया था, जिसकी मृत्यु हो गई थी। वह एक अन्य डब्ल्यूएफपी कर्मचारी की बहन है। महिला के भाई को इस महीने की शुरुआत में कुछ समय के लिए किडनैप किया गया था। संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने गत गुरुवार और शुक्रवार को भी कुछ कर्मियों को अगवा किया। विद्रोही समूह संयुक्त राष्ट्र की संपत्तियां और संचार उपकरण भी अपने कब्जे में ले चुके हैं। हूती विद्रोही अब तक कम से कम 55 संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों को अगवा कर चुके हैं। लगातार बढ़ती इन घटनाओं और दबाव के कारण संयुक्त राष्ट्र को इस इलाके में अपनी गतिविधियों को सीमित करना पड़ा है। शीर्ष अधिकारी को सना से वापस भेज दिया गया है।

उत्तरी कैरिबियन में तूफान मेलिसा, बाढ़ का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मौसम विशेषज्ञों ने बताया है कि उष्णकटिबंधीय तूफान मेलिसा के कारण जमैका में चक्रवात का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर कहा, उत्तर कैरेबियाई क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी पैदा हो गया है। मेलिसा फिलहाल 110 किमी प्रति घंटा की गति से आगे बढ़ रहा है। रविवार तक ये बड़े चक्रवात में बदल सकता है। अमेरिकी नेशनल हरीकेन सेंटर के अनुसार, सोमवार तक ये तूफान जमैका के निकट पहुंच सकता है। जमैका, हैती और डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिणी हिस्सों में सोमवार तक 64 सेंटीमीटर तक बारिश और दक्षिण-पश्चिम हैती में 89 सेंटीमीटर तक बारिश की आशंका है। तूफान के कारण हैती में तीन और डोमिनिकन गणराज्य में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। सैकड़ों घरों और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान हुआ है। जमैका सरकार ने 650 से अधिक राहत और बचाव केंद्रों को सक्रिय कर दिया है। प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने लोगों से मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेने की अपील की है। तूफान के कारण स्थानीय लोगों को चार दिनों तक भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन की मार झेलनी पड़ सकती है। इसके अलावा बिजली और संचार भी बाधित होने की आशंका है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल और ड्रोन से हमले में 4 लोगों की मौत; जेलेंस्की ने मांगी हवाई सुरक्षा

कीव, एजेंसी। रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में शुक्रवार रात से शनिवार तक यूक्रेन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। 20 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से एयर डिफेंस सिस्टम प्रदान करने का अनुरोध फिर से किया। राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल हमले में दो लोग मारे गए और 13 घायल हुए। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि एक गैर-आवासीय इमारत में आग लगी और मिसाइल के अवशेषों से आसपास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। मेयर विताली क्लित्स्को ने इसे राजधानी पर बैलिस्टिक हमला बताया। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने नौ मिसाइल और 62 ड्रोन दागे, जिनमें से चार मिसाइल और 50 ड्रोन को इंटरसेप्ट किया गया। वहीं, रूस ने रातभर 121 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

चीन के सुनहरी नाक वाले बंदरों का यूरोपीय चिड़ियाघरों में प्रीमियर

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दुर्लभ सुनहरी नाक वाले बंदरों का अब यूरोपीय चिड़ियाघरों में प्रीमियर हुआ है। ये बंदर अपने घने बालों और हल्के नीले चेहरे के कारण जाने जाते हैं। ये बंदर अब यूरोप में पैंडा के बाद चीन के नए फर वाले दूत के रूप में चिड़ियाघरों में पहुंचे हैं। ये बंदर 10 साल की अवधि के लिए लोन पर दिए गए हैं। तीन सुनहरे बंदर अप्रैल में फ्रांस के बौवल चिड़ियाघर पहुंचे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं जयंती के उपलक्ष्य के रूप में हुआ।

खैबर पख्तूनख्वा में लड़कियों के लिए बन रहा स्कूल विस्फोट से तबाह

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के टैंक जिले के गारा बुद्ध गांव में अज्ञात हमलावरों ने शुक्रवार को लड़कियों के लिए बनाए जा रहे एक निर्माणाधीन प्राइमरी स्कूल को विस्फोट से उड़ा दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले से स्थानीय निवासियों में डर और आक्रोश फैल गया है।

पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान पर बवाल, भड़के ट्रंप ने कनाडा पर ठोका अतिरिक्त टैरिफ

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच ट्रेड वॉर तेज होता हुआ नजर आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को ओटावा के ऊपर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के बयान का गलत उपयोग करने को लेकर लताड़ लगाई। ट्रंप ने कनाडा के ऊपर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की है। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही कनाडा के साथ व्यापारिक वार्ता समाप्त करने की घोषणा की थी। हालांकि, ट्रंप के इस फैसले के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा था कि वह वार्ता फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं।

सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कनाडा को जमकर कड़वे घूंट पिलाए। ट्रंप ने लिखा, कनाडा को रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए एक भाषण पर फर्जी एड बनाते पकड़ा गया है। इस वीडियो को लेकर रीगन फाउंडेशन की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के चुनिंदा ऑडियो और वीडियो का इस्तेमाल करके एक विज्ञापन अभियान बनाया गया ह। यह विज्ञापन राष्ट्रपति के रेडियो संबोधन को गलत तरीके से पेश करता है। ट्रंप ने कनाडाई सरकार को आड़े हाथों लेते हुए लिखा, रीगन के बयान का इस्तेमाल करने या उसकी कांट-छांट करने की अनुमति रीगन फाउंडेशन से नहीं ली गई है। इसके लिए फाउंडेशन अपने कानूनी विकल्प तलाश रहा है।

उन्होंने आगे कहा,इस धोखाधड़ी का एकमात्र उद्देश्य यह था कि इसके जरिए यूएस का सर्वोच्च न्यायालय उन टैरिफों पर उनकी बचाव करेगा जिनका इस्तेमाल उन्होंने वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका को नुकसान पहुँचाने के लिए किया है। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ट्रंप ने कनाडा समेत तमाम देशों के ऊपर टैरिफ लगा दिए थे। इसमें से दीक्षा के ऊपर 25 फीसदी और ऊर्जा उत्पादकों पर 10 फीसदी का टैरिफ लगा दिया था। इसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी टैरिफ लगाया था। स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ के बाद, कनाडा ने अमेरिका से आयातित स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों के साथ-साथ औजारों, कंप्यूटर और सर्वर, डिस्प्ले मॉनिटर, खेल उपकरण और कच्चे लोहे के उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

क्या है पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का भाषण : कनाडा की तरफ से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के एक भाषण के कुछ अंशों का उपयोग करके टैरिफ के खिलाफ एक विज्ञापन तैयार किया गया है। एक मिनट के इस विज्ञापन में रीगन को टैरिफ विरोधी बातें करता हुआ सुना जा सकता है। जबकि रीगन द्वारा 1987 में दिए गए इस भाषण में वह सेमीकंडक्टर्स पर व्यापार विवाद के चलते जापानी इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने को उचित ठहराया था। वर्तमान में न्यूज मैक्स और ब्लूमबर्ग द्वारा प्रसारित किए गए इस विज्ञापन में रीगन को आयात पर लगाए जा रहे टैरिफ के दीर्घकालिक दुष्परिणाम बताते हुए सुना जा सकता है। रीगन ने कहा, उच्च टैरिफ अनिवार्य रूप से विदेशी देशों द्वारा प्रतिशोध और भयंकर व्यापार युद्धों को जन्म देते हैं। फिर सबसे बुरा होता है। बाजार सिकुड़ते और ढहते हैं, व्यवसाय और उद्योग बंद हो जाते हैं, और लाखों लोग अपनी नौकरी खो देते हैं।

बेसबॉल मैच के दौरान चलाया गया विज्ञापन : यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो राज्य ने बनाया था। हालांकि ट्रम्प के नाराज होने के बाद ओंटारियो के प्रीमियर ने कहा था कि वे रविवार के बाद इस विज्ञापन को वापस ले लेंगे। इसी दौरान शुक्रवार को वर्ल्ड सीरीज के पहले गेम इस विज्ञापन को चलाया गया था।

इस घटना के एक दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ बढ़ाने को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और कहा- कनाडा रंगे हाथों पकड़ा गया है, जिसने रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए भाषण को लेकर एक फर्जी विज्ञापन चलाया। रीगन को राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े मकसद के लिए टैरिफ बहुत पसंद थे, लेकिन कनाडा ने कहा कि उन्हें पसंद नहीं थे। ट्रम्प ने आगे कहा, कनाडा को वह विज्ञापन तुरंत हटा देना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जानते हुए कि यह एक धोखाधड़ी है, कल रात इसे वर्ल्ड सीरीज के दौरान चलने दिया गया। बता दें कि वर्ल्ड सीरीज अमेरिका और कनाडा में खेले जाने वाले बेसबॉल खेल की सालाना चैंपियनशिप सीरीज है। ट्रम्प के ऐलान के बाद अभी यह साफ नहीं कि वे इस एक्स्ट्रा टैरिफ को लगाने के लिए किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस बात की भी जानकारी नहीं दी है कि यह 10% एक्स्ट्रा टैरिफ किस तारीख से लागू होगा।

भारत पूरी तरह रूसी तेल की खरीद रोकेगा, डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दोहराया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने जा रहा है, जबकि भारत ने दोहराया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है, न कि किसी बाहरी दबाव पर। शनिवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा आपने देखा होगा, चीन ने रूसी तेल की खरीद में काफी कमी की है और भारत पूरी तरह से इसे रोक रहा है। हमने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए हैं।

यह बयान उस समय आया है जब ट्रंप दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक और संसाधनों की पहुंच को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है।

रूस से चीन के तेल सौदों को लेकर भी चर्चा : ट्रंप ने कहा कि वे रूस से चीन के तेल सौदों को लेकर भी चर्चा कर सकते हैं और उम्मीद जताई कि यह वार्ता पूरी तरह सौदा तय कर सकती है। इससे पहले भी ट्रंप कई बार इसी तरह का दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि भारत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह वर्ष के अंत तक रूसी तेल की खरीद बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा था कि भारत ने मुझे बताया है कि वे धीरे-धीरे इस प्रक्रिया को समाप्त कर रहे हैं। आप रातोंरात तेल खरीद बंद नहीं कर सकते। लेकिन साल के अंत तक यह लगभग शून्य के बराबर रह जाएगी।

भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र : हालांकि, भारत ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र है और इसका उद्देश्य सस्ती कीमतों पर स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि भारत के ऊर्जा निर्णय उसके राष्ट्रीय हितों से प्रेरित हैं, न कि किसी बाहरी राजनीतिक दबाव से। भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद इसलिए कर रहा है ताकि घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखा जा सके और ऊर्जा आपूर्ति में स्थिरता बनी रहे।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला नाकाम, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन आतंकियों को किया ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया और आत्मघाती हमले की तैयारी में लगे वाहन को भी नष्ट कर दिया। आईएसपीआर द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन जिले के झल्लर इलाके में चलाया गया था। सेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि 'फितना अल-खवारिज' संगठन के आतंकी (जो प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान - टीटीपी से जुड़े हैं) एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश रच रहे हैं। बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन आतंकियों को निशाना बनाया और विस्फोटक से भरे वाहन को उड़ाकर एक संभावित विनाशकारी हमले को टाल दिया। आईएसपीआर ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अब भी क्लीन-अप और सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि किसी भी अन्य छिपे आतंकी को पकड़ा जा सके। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी सेना के बयान में कहा कि 'अज़्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पाकिस्तान से विदेशी समर्थित आतंकवाद के खात्मे तक कार्रवाई जारी रखेंगी। हमारे जवानों के बलिदान से हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में। अधिकतर हमले पुलिस, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। 2022 में ञ्ञ्ञ्ञ्क्ष द्वारा सरकार के साथ युद्धविराम समझौता तोड़ने के बाद से हमलों में भारी वृद्धि देखी गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने दावा किया था कि प्रांत में आतंकवाद की पुनर्वापसी केंद्र सरकार की गलत नीतियों का नतीजा है। हालांकि, सत्ता में रही पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी सैन्य अभियानों का विरोध करती रही है, क्योंकि इनसे जन विस्थापन और नागरिकों की परेशानी बढ़ जाती है।

कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव फिर लड़ सकती हैं, कहा- अभी मेरी राजनीति खत्म नहीं हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फिर से राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकती हैं। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में कमला ने कहा कि वे खुद को एक दिन राष्ट्रपति बनने की संभावना के रूप में देखती हैं। हैरिस ने कहा, मैं खत्म नहीं हुई हूं। उन्होंने कहा- मैंने पूरी जिंदगी लोगों की सेवा की है। यह मेरे रग-रग में है। मुझे यकीन है कि अमेरिका एक दिन एक महिला राष्ट्रपति को चुनेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह महिला राष्ट्रपति कमला हो सकती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, शायद। कमला हैरिस ने उन सर्वेक्षणों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्हें बहुत पीछे रखा गया है। उन्होंने कहा, अगर मैं जनमत सर्वेक्षणों को सुनती, तो मैं अपने पहले कार्यालय या अपने दूसरे कार्यालय के लिए नहीं दौड़ती, और मैं निश्चित रूप से यहां नहीं बैठी होती।

चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार : कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए एक और चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं कर रही हैं। शनिवार को बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में अमेरिका में एक महिला राष्ट्रपति बनेगी, और यह संभवतः वह हो सकती हैं।

2028 में चुनाव लड़ने पर क्या बोलीं : बीबीसी के साथ बातचीत में कमला हैरिस ने कहा कि मैं अभी खत्म नहीं हुई हूं। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक 2028 में चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इस संभावना को खारिज भी नहीं किया। उन्होंने कहा, मैंने अपना पूरा करियर सेवाभाव से जिया है और यह मेरे अंदर बसा है। और सेवा करने के कई तरीके हैं।

उन्होंने कहा, मैंने कभी जनमत सर्वेक्षणों पर ध्यान नहीं दिया।

डोनाल्ड ट्रंप से हार का किया सामना : सितंबर में अपनी पुस्तक 107 डेज के विमोचन के बाद उन्होंने हाल ही में कई इंटरव्यू दिए हैं। इस किताब में उन्होंने उस दौर का जिक्र किया है, जब उन्होंने जो बाइडन के चुनाव से हटने के बाद 2024 में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में उनकी जगह ली थी। हालांकि उस चुनाव में उन्हें रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले हफ्ते एसोसिएटेड प्रेस को दिए एक साक्षात्कार में 60 वर्षीय हैरिस ने यह भी स्पष्ट किया कि 2028 में फिर से चुनाव लड़ने पर अभी भी विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह खुद को पार्टी के एक नेता के रूप में देखती हैं, जिसमें ट्रम्प के खिलाफ लड़ाई और 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी भी शामिल है। वहीं 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेट्स के बीच राजनीतिक होड़ सामान्य से भी पहले शुरू होती दिख रही है। कई संभावित उम्मीदवार पहले से ही प्रमुख राज्यों के मतदाताओं को जानने के लिए कदम उठा रहे हैं, जिनमें कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम, केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर और कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि रो खन्ना शामिल हैं।

गाजा में इस्राइल का हवाई हमला, इस्लामिक जिहाद सदस्य को बनाया निशाना; अस्पताल में चार घायल लोग भर्ती

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइल ने नुसेरात इलाके में हवाई हमला किया, जिसमें इस्लामिक जिहाद संगठन के एक सदस्य को निशाना बनाया गया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम अब भी प्रभावी था। इस्राइली सेना ने अपने बयान में कहा कि उसने यह कार्रवाई एक सटीक और योजनाबद्ध स्ट्राइक के तहत की। सेना ने बयान में कहा कुछ देर पहले आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स) ने नुसेरात इलाके में एक इस्लामिक जिहाद आतंकवादी को निशाना बनाया, जो हमारे सैनिकों पर आसन्न हमला करने की योजना बना रहा था। चार लोग घायल, अस्पताल ने दी जानकारी हमास-शासित क्षेत्र में स्थित अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि नुसेरात कैंप में हुए हमले के बाद चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन ने बयान जारी कर कहा अल-अहली क्लब क्षेत्र में एक नागरिक कार को निशाना बनाए जाने के बाद चार लोग घायल हुए हैं। दो सप्ताह से लागू है संघर्षविराम पिछले दो हफ्तों से हमास और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू है। हालांकि, इस्राइल ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी भी हमले की स्थिति में अपने सैनिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार रखता है। इस हमले के बाद एक बार फिर से यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं संघर्षविराम टूट न जाए और गाजा में हालात फिर से बिगड़ जाएं। इस्राइल की चेतावनीः खतरे खत्म होने तक कार्रवाई जारी रहेगी इस्राइली सेना ने कहा है कि वह गाजा में तब तक अभियान जारी रखेगी जब तक उसके सैनिकों के खिलाफ कोई तत्काल खतरा मौजूद है।इस्राइली सेना ने दोहराया कि हम गाजा में सभी खतरों को समाप्त करने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लगातार तनाव और अस्थिरता गाजा पट्टी लंबे समय से इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष का केंद्र बनी हुई है। इस्लामिक जिहाद जैसे उग्रवादी संगठन अक्सर सीमा पर रॉकेट हमले और घुसपैठ की कोशिश करते हैं। इस्राइल की ओर से की जाने वाली हवाई कार्रवाईयों में अक्सर नागरिकों की हताहतें भी होती हैं।

इस्राइल-ईयू की मुखर आलोचक, चुनाव में वामपंथी निर्दलीय प्रत्याशी; कौन हैं नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली?

लंदन, एजेंसी। वामपंथी विचारधारा वाली निर्दलीय उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने आयरलैंड चुनाव में इतिहास रच दिया है। उन्होंने आयरलैंड के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। वामपंथी स्वतंत्र उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने मध्य-दक्षिणपंथी पार्टी फाइन गेल की उनकी प्रतिद्वंद्वी हीथर हम्फ्रीज को भारी मतों से पीछे छोड़ दिया। शनिवार को मतगणना समाप्त होने से पहले ही हीथर ने हार स्वीकार कर ली थी।

आयरलैंड ने अपने इतिहास की तीसरी महिला राष्ट्रपति को चुना है। कैथरीन कोनोली को सिन फेन सहित आयरलैंड की वामपंथी पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। ऐसे में जानिए कौन हैं कैथरीन कोनोली? जिन्होंने आयरिश राष्ट्रपति चुनाव जीता है।

पूर्व वकील और 2016 से संसद सदस्य : पूर्व बैरिस्टर कैथरीन कोनोली, जो 2016 से सांसद हैं, वो गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल की मुखर आलोचना करती रही हैं। उन्होंने रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद यूरोपीय संघ के बढ़ते सैन्यीकरण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने बेबाक विचारों से जनता के बीच पहचान बनाई है। हालांकि आयरलैंड में सैन्य तटस्थता की परंपरा रही है, लेकिन उनके आलोचकों का कहना है कि इससे देश के सहयोगियों के अलग-थलग पड़ने का खतरा है। नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली अब

माइकल डी. हिगिंस की जगह लेंगी, जो 2011 से राष्ट्रपति हैं और उन्होंने अधिकतम दो बार सात-वर्षीय कार्यकाल पूरा किया है। वह आयरलैंड की 10वीं राष्ट्रपति और इस पद पर आसीन होने वाली तीसरी महिला होंगी।

वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार : वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार कोनोली को सिन फेन, लेबर पार्टी और सोशल डेमोक्रेट्स सहित कई वामपंथी दलों का समर्थन प्राप्त है। वहीं प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शनिवार को कोनोली को उनकी बेहद व्यापक चुनावी जीत के लिए बधाई दी और कहा कि यह स्पष्ट है कि वह आयरलैंड की अगली राष्ट्रपति होंगी।

बता दें कि मार्टिन की फियाना फेल पार्टी के उम्मीदवार जिम गेविन के चुनाव से तीन हफ्ते पहले एक पुराने वित्तीय विवाद के कारण से हटने के बाद कोनोली और हम्फ्रीज ही एकमात्र दावेदार थे। आयरलैंड की सरकार के प्रमुख मार्टिन ने व्यक्तिगत रूप से गेविन का राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन किया था। हालांकि गेविन ने प्रचार करना बंद कर दिया था, लेकिन चुनाव से देर से हटने के कारण उनका नाम मतपत्र पर बना रहा।

ट्रम्प ने थाईलैंड-कंबोडिया शांति समझौते पर हस्ताक्षर कराए

कुआलालंपुर, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया ने रविवार को कुआलालंपुर में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसमें मध्यस्थता की। ट्रम्प ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रम्प का बड़ा रोल था। इससे पहले ट्रम्प आज सुबह कुआलालंपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुए। यहां मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रेड कार्पेट पर उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प ने स्थानीय कलाकारों के साथ डांस भी किया। ट्रम्प 2017 के बाद पहली बार इस सम्मेलन में शामिल होंगे। वे आज मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

ट्रम्प बोले- थाईलैंड और कंबोडिया एक-दूसरे को पसंद करते हैं : मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि जिन दो देशों के साथ हम यह समझौता कर रहे हैंज वे वास्तव में एक-दूसरे को पसंद करते हैं। मैं इस तरह की स्थिति का आदी नहीं हूं। जब मैं ऐसे समझौते करता हूं, आमतौर पर बहुत दुश्मनी होती है। ट्रम्प ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बेहद सम्मान था, जिससे समझौते को आसान बनाने में मदद मिली। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच दुश्मनी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्थिति बहुत जटिल है।

समारोह में कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुरुतिन चार्नविराकुल, ट्रम्प और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम शामिल हुए। इससे पहले जुलाई में दोनों देशों की सीमा पर तनाव पांच दिन के हिंसक संघर्ष में बदल गया था। इसमें दर्जनों नागरिक मारे गए और सैकड़ों हजार लोग अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे।

थाईलैंड और कम्बोडिया शांति समझौते पर बोले ट्रम्प : राष्ट्रपति ट्रम्प ने मलेशिया में थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच होने वाले शांति समझौते के समारोह को संबोधित किया। यह बहुत रोमांचक है, क्योंकि हमने कुछ ऐसा किया जो कई लोग असंभव मानते थे। दो महान देश, लेकिन वे आपस में टकरा रहे थे। मैं इन दोनों साहसी नेताओं को बधाई देना चाहता हूँज जिन्होंने यह ऐतिहासिक कदम उठाया।

आसियान समिट कवर करने 3 हजार पत्रकार पहुंचे : आसियान समिट में लगभग 3 हजार मीडियाकर्मी शामिल हुए हैं। हालांकि इस समिट की सबसे अहम बैठकें बंद दरवाजों के पीछे आयोजित हो रही हैं। कुआलालंपुर में सुरक्षा कड़ी, हजारों पुलिसकर्मी तैनात कुआलालंपुर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। शहर में हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आज होने वाले कार्यक्रम की तैयारी में कई सड़कों और ट्रेन स्टेशनों को बंद कर दिया गया है। ऊपर से ड्रोन और हेलीकॉप्टर लगातार उड़ते दिखाई दे रहे हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने एकता रखने की बात कही मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने आज आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान सभी नेताओं से एकजुट रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वैश्विक हालात तेजी से बदल रहे हैं, ऐसे समय में सदस्य देशों के बीच एकता और सहयोग बनाए रखना बेहद जरूरी है। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि संगठन की ताकत उसकी लचीलापन और साझा उद्देश्य में निहित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आसियान को स्थिर नहीं रहना चाहिए और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना ही इसकी मजबूती का मूल मंत्र है।

अश्विन के बाद अब बीबीएल में दिखेंगे रोहित और विराट, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दिए बड़े संकेत

सिडनी (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया की सरजमी पर शायद आखिरी बार वनडे मैच खेला। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे वनडे में दोनों ने मिलकर 168 रनों की नाबाद साझेदारी कर भारत को 9 विकेट से शानदार जीत दिलाई। रोहित ने शतक जड़ा, जबकि कोहली 74 रन बनाकर नाबाद रहे।

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या दोनों भारतीय दिग्गज भविष्य में बिग बैश लीग (BBL) में खेलते नजर आएंगे? दरअसल, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने संकेत दिया है कि BBL भविष्य में भारतीय सितारों के लिए अपने दरवाज़े खोल सकता है। हाल ही में रविचंद्रन अश्विन के सिडनी थंडर से जुड़ने के बाद इस चर्चा ने और ज़ोर पकड़ लिया है।

ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हमें लगता है कि निकट भविष्य में यह संभव है। अश्विन का जुड़ना हमारे लिए बड़ा पल है और यह दिखाता है कि भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी BBL को कितना मज़बूत बना सकती है।'

उन्होंने यह भी बताया कि अगर लीग में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट (निजी निवेश) की अनुमति मिलती है, तो इससे BBL के पास इतनी आर्थिक क्षमता होगी कि वह कोहली और रोहित जैसे सुपरस्टार्स को आकर्षित कर सके।

फिलहाल यह एक रणनीतिक योजना है, कोई पक्का ऐलान नहीं। लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की यह सोच दर्शाती है कि भविष्य में भारतीय दिग्गजों को BBL में देखने का सपना शायद हकीकत बन जाए। अश्विन का उदाहरण अब एक 'मॉडल केस' बन गया है, जिससे पता चलता है कि रिटायरमेंट के बाद भारतीय खिलाड़ी विदेशी लीग्स में उतर सकते हैं।

पीवी सिंधु ने चोट के कारण 2025 सीजन किया समाप्त, अगले साल करेंगी दमदार वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु ने पैर की चोट से पूरी तरह उबर न पाने के कारण 2025 बीडब्ल्यूएफ टूर के शेष सभी टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने बताया कि उन्होंने यह फैसला अपने सपोर्ट स्टाफ और मशहूर खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारडीवाला से लंबी चर्चा के बाद लिया।

सिंधु ने कहा, 'अपनी टीम और डॉ. पारडीवाला की सलाह से हमने तय किया कि 2025 सत्र के बाकी टूर्नामेंट से हटना मेरे लिए सही रहेगा। यूरोप दौरे से पहले लगी पैर की चोट पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। हालांकि यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन चोटें हर खिलाड़ी के सफर का हिस्सा होती हैं। ये हमारे धैर्य और जज़्बे की परीक्षा लेती हैं, पर हमें और मजबूत भी बनाती हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वह वर्तमान में रिकवरी और ट्रेनिंग पर ध्यान दे रही हैं, जिसमें डॉ. वेन लोम्बार्ड, निशा रावत, चेतना और कोच इरवांश्या लगातार उनकी मदद कर रहे हैं। सिंधु ने कहा, 'मेरी टीम का विश्वास मुझे हर दिन नई ताकत देता है। मैं आभारी हूं और पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित महसूस कर रही हूं।'

सिंधु ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह जनवरी 2026 में कोर्ट पर वापसी करने की उम्मीद रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आप सबके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। यह सफर यहीं खत्म नहीं होता,जल्द ही फिर शुरुआत होगी।' पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद, सिंधु के लिए 2025 का सीजन चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने चाइना मास्टर्स सुपर 750, इंडिया ओपन सुपर 750 और विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया, लेकिन निरंतरता हासिल नहीं कर पाई।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज से पहले रणजी मैदान में लौटे जायसवाल, इस टीम में हुई वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में मैदान पर उतरने को तैयार हैं। वे मुंबई टीम की ओर से राजस्थान के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025 मुकाबले में खेलेंगे, जो 1 नवंबर से जयपुर में शुरू होगा। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज से पहले जायसवाल के लिए अहम माना जा रहा है।

जायसवाल की पिछली अंतरराष्ट्रीय पारी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में अहमदाबाद और नई दिल्ली में रही थी। वहीं, उन्होंने आखिरी बार घरेलू क्रिकेट में जनवरी 2025 में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के लिए खेला था।

जानकारी के अनुसार, यशस्वी ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को सूचित किया है कि वे अगले रणजी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। बीसीसीआई के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, राष्ट्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को जब वे टीम इंडिया के साथ नहीं होते, तो घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेना आवश्यक होता है। इसी कारण जायसवाल अब जयपुर में मुंबई टीम से जुड़ेंगे, जो 30 अक्टूबर तक पहुंचने वाली है।

सिर्फ इतना ही नहीं, जायसवाल ने मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन (MSSA) के लिए भी सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने हैरिस और गाइल्स शील्ड फाइनल के लिए 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार को प्रायोजित करने का निर्णय लिया है। MSSA के एक अधिकारी ने कहा, 'यशस्वी ने खुद पहल करते हुए कहा कि वह मुंबई क्रिकेट को वापस कुछ देना चाहते हैं। हम उनके इस कदम का स्वागत करते हैं।'

टेस्ट क्रिकेट में जायसवाल का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से उन्होंने 26 टेस्ट मैचों में 2428 रन बनाए हैं, जिसमें एक नाबाद दोहरा शतक, 7 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। इस सीरीज से पहले जायसवाल का रणजी अभ्यास उनके फॉर्म और आत्मविश्वास दोनों के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है।

'ईमानदारी से कहूं तो...', सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म से परेशान नहीं हैं क्योंकि जब टीम बहुत अधिक आक्रामक क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करती है तो 'विफलताएं मिलती हैं'। भारत ने पिछले महीने श्रृ में सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप टूर्नामेंट जीता था लेकिन भारतीय कप्तान की बल्लेबाजी फॉर्म कुछ खास नहीं रही क्योंकि वह सात पारी में सिर्फ 72 रन बना पाए। हालांकि मुख्य कोच ने सूर्यकुमार का समर्थन किया है।

गंभीर ने 'जियो हॉटस्टार' पर चर्चा के दौरान कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो सूर्यकुमार की बल्लेबाजी फॉर्म से मैं चिंतित नहीं हूं क्योंकि हमने अपने ड्रेसिंग रूम में बहुत अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। जब आप इस सोच को अपनाते हैं तो विफलताएं तो होती हैं। सूर्यकुमार के लिए 30 गेंद पर 40 रन बनाना और आलोचना से बचना आसान होता लेकिन हमने मिलकर तय किया है कि इस तरीके को अपनाते हुए विफल होने में कोई समस्या नहीं है।''

जब सूर्यकुमार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे थे तब अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से टूर्नामेंट में धूम मचा दी। गंभीर ने कहा कि उनका ध्यान किसी एक खिलाड़ी पर नहीं बल्कि पूरी टीम पर है। उन्होंने कहा, 'अभी अभिषेक शर्मा अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने पूरे एशिया कप में इसे बनाए रखा। जब सूर्या लय में आ जाएंगे तो वह उसी हिसाब से जिम्मेदारी उठाएंगे।''

गंभीर ने कहा, 'टी20 क्रिकेट में हमारा ध्यान व्यक्तिगत रनों पर नहीं बल्कि उस तरह के क्रिकेट पर होता है जैसा हम खेलना चाहते हैं। हमारी आक्रामक शैली में बल्लेबाज अधिक बार विफल हो सकते हैं लेकिन आखिर में रन से अधिक प्रभाव मायने रखता है।' गंभीर ने इस दौरान निडर टीम संस्कृति बनाने के अपने विजन और सूर्यकुमार के साथ अपनी साझेदारी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'सूर्यकुमार एक बेहतरीन इंसान हैं और अच्छे इंसान अच्छे नेतृत्वकर्ता बनते हैं। वह मेरी काफी सराहना करते हैं लेकिन मेरा काम बस खेल को समझने के अपने तरीके के आधार पर उन्हें सही सलाह देना है। आखिरकार यह उनकी टीम है।''

गंभीर ने कहा, 'उनका आजाद ख्यालों वाला स्वभाव टी20 क्रिकेट के सार से पूरी तरह मेल खाता है। यह आजादी और खुद को जाहिर करने के बारे में है। सूर्या ने पिछले डेढ़ साल में इस माहौल को शानदार ढंग से बनाए रखा है।' उन्होंने कहा, 'हमारी पहली बातचीत से ही हम सहमत थे कि हमें हारने का डर नहीं होगा। मेरा मकसद सबसे सफल कोच बनना नहीं है। मैं चाहता हूं कि हम सबसे अधिक निडर टीम बनें।'

गंभीर ने माना कि उनके खिलाड़ी निडर टीम बनने की कोशिश में गलतियां कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'एशिया कप फाइनल जैसे बड़े मैच में मैंने खिलाड़ियों से कहा कि कैच छोड़ना, खराब शॉट खेलना या खराब गेंद फेंकना ठीक है। इंसान गलतियां करते हैं। सिर्फ ड्रेसिंग रूम में बैठे लोगों की राय मायने रखती है।' गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार और मैं हमेशा सहमत होते हैं, हम गलतियों से कभी नहीं डरेंगे। मैच जितना बड़ा होगा हमें उतना ही निडर और आक्रामक होना होगा। संकीर्ण सोच से विरोधी टीम को ही फायदा होता है। हमारे पास जो प्रतिभा है उसे देखते हुए अगर हम निडर होकर खेलेंगे तो हम ठीक रहेंगे।' भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप जीता था।

टी20 विश्व कप की तैयारियों पर बोले ऑस्ट्रेलियाई कोच, भारत के खिलाफ होगी असली परीक्षा

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले टीम के नए टी20 टेम्पलेट को लेकर बड़ा बयान दिया है। भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले साल की असफलताओं से सबक लेकर अब अपने खेल के स्टाइल में बड़ा बदलाव किया है। ऑस्ट्रेलियाई कोच मैकडॉनल्ड ने कहा, 'हमने महसूस किया कि हमें अपने अप्रोच में बदलाव की ज़रूरत है। हमने दो विश्व कप में सफलता नहीं पाई, इसलिए इस बार हमने सीमाएं लांघने की कोशिश की है। अब हम ज़्यादा आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं।' कोच मैकडॉनल्ड ने आगे कहा, 'आप भारत जैसी टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, जो नंबर-1 रैंक टीम है। हमारे लिए यह परफेक्ट टेस्ट है कि क्या हमारा नया स्टाइल इस स्तर पर टिक सकता है।' युवा खिलाड़ियों को मौका देने पर कोच मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मिचेल स्टार्क के रिटायर होने और पैट कमिंस के चोटिल होने के बाद अब हमारे पास नई पीढ़ी के तेज़ गेंदबाज़ों को आज़माने का मौका है।'

भारत का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड- भारत का ऑस्ट्रेलिया में टी20 प्रदर्शन शानदार रहा है। अब तक खेले गए 12 मुकाबलों में भारत ने 7 जीते, 4 हारे और 1 बिना नतीजे के रहा। पिछली बार विराट कोहली की अगुवाई में भारत ने सीरीज़ 2-1 से जीती थी।

अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी में गोवा की ओर से तीन विकेट लिए

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की है। मध्यम तेज गति के गेंदबाज अर्जुन ने कर्नाटक के खिलाफ एलीट बी ग्रुप में तीन विकेट लिए। अर्जुन ने 29 ओवर में 100 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने कर्नाटक के सलामी बल्लेबाज निकिन जोसे को केवल 3 रनों पर ही आउट कर दिया। अर्जुन ने इसके अलावा कृष्णन श्रीजीत और अभिनव मनोहर को भी आउट किया।अर्जुन के अलावा वासुकी कौशिक ने भी तीन विकेट लिए।

वहीं दूसरी ओर करुण नायर ने कर्नाटक की ओर से शतक लगाकार पारी को संभाला। हाल में ही भारतीय टीम से बाहर किये गये करुण ने 267 गेंद पर नाबाद 174 रन बनाये। उनकी इस बल्लेबाजी से कर्नाटक ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए। करुण के अलावा वी विजयकुमार ने भी 31 रन बनाये। दोनो ने मिलकर कर्नाटक की टीम को एक बेहतर स्कोर तक पहुंचाया।

केकेआर ने सहायक कोच रहे अभिषेक नायर को बनाया मुख्य कोच

कोलकाता। आईपीएल के 2026 सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सहायक कोच रहे अभिषेक नायर को टीम का मुख्य कोच बनाया है। नायर लंबे समय से टीम से जुड़े हैं ऐसे में अब उन्हें और भी अधिक जिम्मेदारी देते हुए कोचिंग की कमान दे दी गयी है। नायर की युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के साथ ही टीम की रणनीति को बेहतर बनाने में अहम भूमिका रही है। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं को भी भी उन्होंने निखारा है। वह भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रहे हैं। अभिषेक ने मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। उनका घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन रहा है। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से तीन एकदिवसीय भी खेले हैं। संन्यास के बाद वह कोचिंग में उतरे और उन्होंने कई खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया है। आईपीएल में उन्हें सहायक कोच के तौर पर काफी लंबा अनुभवहै है। अब मुख्य कोच बनने के बाद नायर के सामने केकेआर को फिर से विजेता बनाने को लक्ष्य रहेगा। फैंचाइजी का उम्मीद है कि उनकी आधुनिक क्रिकेट की समझ, रणनीतिक कौशल और खिलाड़ी मनोविज्ञान की समझ टीम का प्रदर्शन बेहतर बना सकती है। केकेआर ने जिस प्रकार से अभिषेक को कोच बनाया है उससे ये साफ होता है कि फैंचाइजी अपने ही लोगों को बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित कर रही है और बाहर से किसी को लाने में भरोसा नहीं रखती है। फैंचाइजी को उम्मीद है कि उनके अनुभव का लाभी टीम को मिलेगा और खिलाड़ी नये उत्साह से मैदान में उतरेंगे। उन्होंने हाल में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ उनकी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम किया था। नायर 2018 में केकेआर में शामिल हुए थे, तब वह मुंबई में केकेआर अकादमी के प्रमुख रहे थे। उन्होंने वहां रिंकू सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे टीम के कई युवा खिलाड़ियों को निखार है। वह बल्लेबाजी कोच के रूप में भी टीम मुख्य कोच रहे चंद्रकांत पंडित के सहायोग स्टाफ में थे। वह गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारतीय टीम के सहसोगी स्टाफ में रहे। नायर को इस साल की शुरुआत में राष्ट्रीय टीम द्वारा बर्खास्त कर दिया गया। इस साल की शुरुआत में, नायर को महिला प्रीमियर लीग का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

बावुमा की वापसी, दक्षिण अफ्रीका ने भारत दौरे के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। टेम्बा बावुमा ने अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान के तौर पर वापसी की है। बावुमा को सितंबर में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी बाएं पैर की पिंडली की चोट लगी थी जिससे वह अब उबर चुके हैं।

बावुमा पाकिस्तान दौरे के दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल लेग से बाहर रहेंगे, लेकिन वह प्रोटियाज टेस्ट टीम में फिर से शामिल होने से पहले अपनी तैयारी के हिस्से के तौर पर बेंगलुरु में BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) ग्राउंड में भारत ए के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ए के लिए दूसरे रेड-बॉल गेम में खेलने के लिए तैयार हैं।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने जून में लॉर्ड्स में प्रोटियाज को WTC जीत दिलाई थी। पाकिस्तान के खिलाफ 2025-27 साइकिल में दक्षिण अफ्रीका के अभियान की शुरुआत में नहीं खेल पाए थे, जहां सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। बावुमा के शामिल होने से पाकिस्तान सीरीज से दक्षिण अफ्रीका की बैटिंग लाइन-अप में एकमात्र बदलाव हुआ है, जिसमें डेविड बेडिंगम को बाहर कर दिया गया है।

बेडिंगम, जिन्होंने 15 टेस्ट खेले हैं और एक शतक और चार अर्धशतक बनाए हैं, उन्हें खराब फॉर्म के कारण बाहर कर दिया गया है, सिवाय बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ उनके 82 रन के। टोनी डी जोरजी, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस और जुबैर हमजा को बरकरार रखने के साथ चयनकर्ताओं ने मिडिल ऑर्डर में निरंतरता बनाए रखने का विकल्प चुना है। टीम में साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरा मुथुसामी सहित तीन फ्रंटलाइन स्पिनर शामिल हैं, जबकि कगिसो रबाडा और ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, मार्को जानसेन और वियान मुल्डर तेज गेंदबाजी के विकल्प प्रदान करते हैं।

हेड कोच शुक्री कॉनराड ने कहा, 'हमने उस टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा है जिसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था। उन खिलाड़ियों ने असली चरित्र दिखाया और पीछे से आकर उस सीरीज को ड्रॉ कराने के लिए कड़ी मेहनत की। हम भारत में भी इसी तरह की चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं, और उन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर हमारे लिए महत्वपूर्ण होंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ यह एक टीम प्रयास था और भारत में भी यही मांग होगी। हेड कोच शुक्री कॉनराड ने कहा, 'हर खिलाड़ी की यह पक्का करने में भूमिका होती है कि हम हमेशा एक मुश्किल जगह पर दूर करते हुए भी कॉम्पिटिटिव बने रहें।' पहला टेस्ट 14 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगा, जबकि दूसरा मैच गुवाहाटी में होगा, जहां ACA स्टेडियम 22 नवंबर को अपना पहला टेस्ट मैच होस्ट करेगा।

साउथ अफ्रीका टेस्ट टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरज़ी, जुबैर हमज़ा, साइमन हार्मर, मार्को जेनसेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरा मुथुसामी, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

जैनिक सिनर की धमाकेदार वापसी, लगातार दूसरा वियना खिताब जीता

रोम। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने रविवार को एक जबरदस्त वापसी करते हुए वियना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में उन्होंने जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3-6, 6-3, 7-5 से हराया। यह इस सीजन का सिनर का चौथा खिताब और उनके करियर का 22वां टाइटल है। यह जीत सिनर के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि उन्होंने इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई सेट गंवाया, लेकिन फिर शानदार वापसी की। वियना में यह उनका लगातार दूसरा खिताब है, उन्होंने 2023 में भी ट्रॉफी जीती थी। इस जीत के साथ सिनर ने इनडोर हार्ड कोर्ट पर लगातार 21 मैच जीतने का रिकॉर्ड कायम रखा है। फाइनल की शुरुआत सिनर के लिए मुश्किल रही, क्योंकि ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। लेकिन सिनर ने हिम्मत नहीं हारी और दूसरे सेट में शानदार टेनिस दिखाते हुए 6-3 से बराबरी की। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुकाबला चला, जहां सिनर ने 5-5 पर शानदार बैकहैंड विनर लगाकर ब्रेक हासिल किया और फिर सर्विस होल्ड करते हुए खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद सिनर ने कहा, 'शुरुआत मेरे लिए कठिन रही, लेकिन मैंने मानसिक रूप से मजबूत रहने की कोशिश की। तीसरा सेट थोड़ा रोलरकोस्टर जैसा था, लेकिन आखिरकार जीत हासिल करना बहुत खास अहसास है।' 24 वर्षीय सिनर इस सीज़न में अब तक 10 में से 8 टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन, विंबलडन और बीजिंग के खिताब भी शामिल हैं। अब उनका अगला पड़ाव पेरिस मास्टर्स 1000 होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अफरीदी का रिकार्ड तोड़ सकते हैं रोहित

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपने आलोचकों को करारा जवाब देने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज में सबसे अधिक छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट शाहिद अफरीदी के नाम है। अफरीदी ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 351 छक्के लगाए थे, वहीं अब रोहित 349 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। रोहित और अफरीदी के बीच अब केवल 2 छक्कों का ही अंतर रह गया है।

रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में अर्धशतक जबकि तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाया था। रोहित ने 121 रनों की नाबाद पारी खेलकर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 50वां शतक था। अपनी इस पारी में हिटमैन ने 13 चौके और 3 लंबे छक्के लगाए। इन 3 छक्कों के साथ रोहित शर्मा पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों के विश्व रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अफरीदी ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 351 छक्के लगाए थे, वहीं अब रोहित 349 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। रोहित शर्मा और शाहिद अफरीदी के बीच अब केवल 2 छक्कों का ही अंतर रह गया है। भारत को अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के के मामले में तीसरे नंबर है वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं। उनके नाम 331 छक्के हैं। वहीं श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम 270 और महेन्द्र सिंह धोनी के नाम 229 छक्के हैं।

हीरो हॉकी महिला लीग 28 दिसंबर, पुरुष लीग 3 जनवरी से शुरु होगी

रांची। हीरो हॉकी इंडिया लीग ने 2025-26 सत्र के लिए पुरुष और महिला टीमों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। महिला लीग 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में होगी जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है।

महिला लीग- 28 दिसंबर से 10 जनवरी 2026 तक रांची में होने वाली महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी।

पुरुष लीग- 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी।

एक-दूसरे से भिड़े खिलाड़ी, रियाल मैड्रिड ने बार्सिलोना के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ा

मैड्रिड (एजेंसी)। रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के एक मैच में बार्सिलोना को 2-1 से हराकर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछले कुछ समय से चला आ रहा हार का सिलसिला तोड़ दिया। इस मैच के बाद हालांकि दोनों टीम के खिलाड़ी एक-दूसरे से भिड़ गए।

ला लीगा के वर्तमान सत्र में यह पहला अवसर था जबकि दोनों टीम एक दूसरे के आमने-सामने थी। काइलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंगहैम के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने रविवार को जीत हासिल की जिससे इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसका चार मैचों से चला आ रहा हार का सिलसिला टूट गया। इस जीत से 10 राउंड के बाद रियाल मैड्रिड की बार्सिलोना पर लीग में बढ़त पांच अंक की हो गई।

बार्सिलोना के पेड्री को अंतिम सीटी बजने से ठीक पहले मैदान से बाहर भेजे जाने के बाद दोनों टीमों के बेंच पर मौजूद खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हो गई। यह विवाद मैच खत्म होने के बाद भी जारी रहा, जिसमें मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर और बार्सिलोना के स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल भी शामिल थे। विनिसियस और यामल के बीच मैच के दौरान भी कई बार बहस हुई। विनिसियस ने यामल की ओर इशारा किया कि बार्सिलोना का यह स्टार बहुत ज़्यादा बोल रहा है।

मैच के बाद यामल और मैड्रिड के गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस और डिफेंडर दानी कार्वाजल के बीच भी बहस हो गई। मैच के बाद हुई झड़प के बाद मैड्रिड के रिजर्व गोलकीपर एंड्री लुनिन को मैदान से बाहर भेज दिया गया तथा विनिसियस उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। दूसरे हाफ में पेनल्टी किक को गोल में बदलने में नाकाम रहे फ्रांस के फ़ॉरवर्ड एमबाप्पे ने 22वें मिनट में मैड्रिड को बढ़त दिला दी।

बार्सिलोना ने 38वें मिनट में फर्मिन लोपेज़ के गोल से बराबरी कर ली। बेलिंगहैम ने 43वें मिनट में विजयी गोल दागा। इसके बाद 52वें मिनट में बार्सिलोना के गोलकीपर वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने एमबाप्पे की पेनल्टी किक बचा ली। मैड्रिड ने इस सत्र में अपने 13 मैचों में से 12 में जीत हासिल की है। यह बार्सिलोना की सभी प्रतियोगिताओं में सत्र की तीसरी हार है।

मैं एक्टिंग के बारे में... कैमरे पर भी दिखेंगे आर्यन?

क्या शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे? इसको लेकर रजत बेदी ने एक खुलासा किया है। रजत ने आर्यन की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में जरज सक्सेना का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि आर्यन ने एक्टिंग के बारे में उनसे क्या कहा था। रजत बेदी का खुलासा, आर्यन खान ने एक्टिंग डेब्यू को लेकर कही थी ये बात शाहरुख खान कई दशक से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। पर उनके बेटे आर्यन खान ने अलग रास्ता चुना। कैमरे के पीछे। भले ही उन्होंने अपनी वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से तहलका मचा दिया। पर फैंस को अभी भी उस पल का इंतजार है, जब वो कैमरे के सामने एक्टिंग करते हुए नजर आएंगे। अपने पापा के नक्शेकदम पर चलते हुए। अब रजत बेदी ने इसको लेकर एक खुलासा किया है। आर्यन खान ने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से राइटर और निर्देशक के तौर पर अपनी शुरुआत की। शो के प्रीमियर से पहले अनाउंसमेंट टीजर में आर्यन की स्क्रीन प्रेसेंस ने दिल जीत लिया था। उनकी पर्सनैलिटी और स्माइल की लोग तारीफ करते नहीं थक रहे थे। पर उन्हें पर्दे पर देखने की ख्वाहिश अभी पूरी नहीं हो पाई है। रजत ने आर्यन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे 27 साल के आर्यन की स्पष्टता और आत्मविश्वास से वो प्रभावित हुए थे।

बाद में एक्टिंग का सोचूंगा

रजत ने कहा, पहले ही दिन उन्होंने मुझसे कहा, सर, मैंने कुछ लिखा है और मैं इसे निर्देशित करने जा रहा हूं। मैंने उनसे पूछा, क्या आप निर्देशन करने जा रहे हैं? मैंने कहा, बेटा, पूरी दुनिया कैमरे के सामने तुम्हारा इंतजार कर रही है! तुम इसके पीछे क्या कर रहे हो? इस पर आर्यन ने शांति और सहजता से कहा, नहीं सर, मेरे पिता जिस मुकाम पर पहुंच गए हैं, तुलनाएं, उम्मीदें और ये सब... लेकिन शायद बाद में मैं एक्टिंग के बारे में सोचूंगा। अभी नहीं।

दीपिका ने की प्रभास की 'स्पिरिट' के टीजर की तारीफ

फिल्म का हिस्सा न होने पर जताया दुख?

प्रभास के जन्मदिन के मौके पर उनकी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' का ऑडियो टीजर जारी किया गया। इसके जारी होते ही इसको लेकर विवाद भी शुरू हो गया। विवाद की वजह टीजर में प्रभास को इंडिया का सबसे बड़ा सुपरस्टार बताना है। अब इस ऑडियो टीजर के सामने आने के बाद दीपिका पादुकोण भी चर्चा में हैं। वजह है दीपिका के फिल्म के टीजर पर प्रतिक्रिया देना। दरअसल, दीपिका पादुकोण के नाम से एक ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल है।

एक्स पर दीपिका पादुकोण फैन गर्ल के नाम से एक अकाउंट से 'स्पिरिट' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की एक पोस्ट को री-शेयर किया गया है। इस पोस्ट में 'स्पिरिट' के टीजर को जारी किया गया है। इसको शेयर करते हुए दीपिका के फैन पेज ने कैप्शन में लिखा है, 'मैं दुखी हूं, लेकिन वीडियो शानदार है संदीप रेड्डी। प्रभास सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' इस ट्वीट के सामने आने के बाद ऐसी चर्चाएं होने लगीं कि दीपिका ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म के टीजर पर प्रतिक्रिया दी है और वो इसका हिस्सा न होने पर दुखी हैं। हालांकि, ये प्रतिक्रिया दीपिका पादुकोण के फैन गर्ल नाम के अकाउंट से की गई है। ये एक फैन पेज है।

तृप्ति डिमरी ने ली फिल्म में दीपिका की जगह

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'स्पिरिट' में प्रभास के साथ पहले दीपिका पादुकोण फिल्म का हिस्सा थीं। हालांकि, बाद में दीपिका फिल्म से अलग हो गईं। अब उनकी जगह तृप्ति डिमरी प्रमुख भूमिका में फिल्म में शामिल हुई हैं। इसके अलावा विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। दीपिका के फिल्म से बाहर होने का कारण उनकी आठ घंटे काम करने की मांग और फीस को बताया जा रहा है। जिसके चलते दीपिका और मेकर्स के बीच तनाव पैदा हो गया और अंत में दीपिका फिल्म का हिस्सा नहीं रहीं। इसके बाद संदीप रेड्डी वांगा ने दीपिका पर इशारों-इशारों में निशाना भी साधा था। ऐसे में अब ऑडियो टीजर सामने आने के बाद दीपिका ट्रोलर्स के भी निशाने पर हैं।

निर्देशक अमर कौशिक ने किया खुलासा, कब शुरू होगी विक्की कौशल की महावतार की शूटिंग?

स्त्री, भेड़िया स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक अपनी अगली अपकमिंग फिल्म महावतार को लेकर सुर्खियों में हैं। वह यह फिल्म विक्की कौशल के साथ बना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म के बारे में बात की है। उन्होंने कहा है कि महावतार एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जिस पर वह काम करना चाहते थे। निर्देशक अमर कौशिक ने कहा कि महावतार की तैयारी चल रही है और टीम ड्रेस और सेट पर काम कर रही है। वह अगले साल फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

फिल्म बनाना बड़ी जिम्मेदारी है

अमर कौशिक ने एक इंटरव्यू में कहा, यह फिल्म मेरे करियर में मेरे लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह ईश्वर की ओर से मिली है क्योंकि यह किरदार बचपन से मेरे साथ रहा है। हम अरुणाचल प्रदेश में परशुराम कुंड के पास रहते थे और हम वहां जाया करते थे। हमारे घर में यही रस्म थी... जब भी मैं वहां जाता था, मैं बहुत मंत्रमुग्ध हो जाता था।

अमर कौशिक की अगली फिल्म

निर्माता के रूप में फिल्म निर्माता की अगली फिल्म शक्ति शालिनी है, जो मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म है। इस बैनर तले स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2, मुंज्या और थामा जैसी फिल्में रिलीज हुई हैं। सैयारा स्टार अनीत पड्डा शक्ति शालिनी में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

विक्की के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं निर्देशक

कौशिक ने कहा मुझे नहीं पता था कि इसे कैसे बनाया जाए क्योंकि इसके लिए पैसे और वीएफएक्स की जरूरत थी। मैं यह भी सुनिश्चित करना चाहता था कि यह मेरे मन में बने विजन के अनुरूप हो। मैं विक्की के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मुझे उनमें बहुत पवित्रता दिखाई देती है। वह इस किरदार को निभाने के लिए सबसे उपयुक्त अभिनेता हैं। हम इसकी शूटिंग अगले साल करेंगे, हम विक्की के आने का इंतजार कर रहे हैं। फिर, वह इसकी तैयारी करेंगे।

परेश रावल ने अच्छी स्क्रिप्ट के बावजूद ठुकराई अजय देवगन की फिल्म

बॉलीवुड एक्टर परेश रावल इस साल हेरा फेरी 3 के कारण सुर्खियों में छाए रहे। उन्होंने पहले इस मूवी को छोड़ दिया था और फिर जब खूब बवाल हुआ। विवाद हुआ तो इससे दोबारा जुड़ गए। अब खबर है कि वह अजय देवगन की दृश्यम 3 में भी शामिल होने वाले थे लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने इसका खुलासा किया है और बताया कि उनको मजा नहीं आया। परेश रावल ने खुलासा किया है कि उन्हें दृश्यम 3 में एक अहम भूमिका निभाने के लिए अप्रोच किया गया था। लेकिन उन्होंने फिल्म में रोल करने से मना कर दिया था। एक्टर ने बताया, हां मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था। लेकिन मुझे नहीं लगा कि वो रोल मेरे लिए सही है। मजा नहीं आया। परेश रावल ने कहा, लेकिन स्क्रिप्ट अच्छी है। मैं वाकई इम्प्रेस हुआ। लेकिन एक अच्छी स्क्रिप्ट में भी आपको एक एसे रोल की जरूरत होती है, जिसे लेकर आप एक्साइटेड हों। वरना मजा नहीं आएगा। एक्टर ने हेरा फेरी 3 को लेकर भी काफी कुछ कहा था। वह बाबू राव का किरदार नहीं निभाना चाहते थे। लेकिन बाद में वह राजी हो गए थे। अब वह थामा में नजर आए थे। जिसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अहम किरदार में थे।

गांधारी से नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगी तापसी

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर आ रही थी कि वो भारत छोड़कर पति के साथ डेनमार्क में शिफ्ट हो गई हैं। कहा जा रहा था कि उन्होंने भारत छोड़कर अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने का फैसला कर लिया है। लेकिन अब खुद तापसी ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है।

तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साफ किया कि उनका ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- क्या इससे कम झूठी और कम सनसनीखेज हेडलाइन नहीं मिल सकती थी? जरा रिसर्च कर लिया करो, इतनी जल्दी क्या है! तापसी ने फेक रूमर्स फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया और फैंस को बताया कि वो मुंबई में हैं। काम के मोर्चे पर तापसी जल्द ही 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जो एक इंटेंस रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा कर रहे हैं और इसे कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी और इसमें तापसी का अब तक का सबसे गहरा और भावनात्मक किरदार बताया जा रहा है। इससे पहले उन्हें 'खेल खेल में' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर, अमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फर्दीन खान नजर आए थे।

तेलुगु में डेब्यू करने जा रहे दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो सिर्फ सिनेमा नहीं बल्कि समाज और राजनीति से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। कन्नड़ फिल्मों के इस सुपरस्टार ने अब अपने करियर का नया अध्याय शुरू किया है- तेलुगु सिनेमा में बतौर लीड डेब्यू। वह जल्द ही पांच बार के विधायक और जनता के नेता गुम्मादि नरसैया के जीवन पर आधारित बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं।

जनता के बीच से निकला जननेता

तेलंगाना के येल्लंदु क्षेत्र से आने वाले गुम्मादि नरसैया का नाम उस दौर में भी लोगों की जुबान पर था जब राजनीति का मतलब सेवा हुआ करता था, सत्ता नहीं। वह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्टलेनिनिस्ट) से पांच बार विधायक रहे, लेकिन सादगी और ईमानदारी की मिसाल बने रहे। साइकिल पर विधानसभा पहुंचने वाले इस नेता ने कभी लाल बत्ती की कार का मोह नहीं किया। गरीबों और आदिवासियों के हक की आवाज उठाने वाले नरसैया ने ज़मीनी स्तर पर वह काम किया जिसे आज की राजनीति शायद भूल चुकी है। यही कारण है कि उनका जीवन अब बड़े परदे पर लाया जा रहा है।

शिवा राजकुमार निभाएंगे किरदार

शिवा राजकुमार, जिन्हें दक्षिण में 'करुणाडा चक्रवर्ती' कहा जाता है, इस बायोपिक में नरसैया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण प्रवल्लिका आर्ट्स क्रिएशंस के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन की कमान संभाली है नए निर्देशक परमेश्वर हिवराले ने। फिल्म की घोषणा एक भावनात्मक पोस्टर के साथ की गई, जिसमें शिवा राजकुमार को सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल शॉल में दिखाया गया है। उनके साथ उनकी साइकिल पर सीपीआई (एमएल) का झंडा लहरा रहा है- एक ऐसा नजारा जो उनके राजनीतिक जीवन का प्रतीक बन गया था।

सामाजिक बदलाव की कहानी

फिल्म के पहले लुक वीडियो में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्तियों के साथ भारतीय संविधान की झलक दिखाई गई है। ये दृश्य फिल्म के मूल विचार को परिभाषित करते हैं- जनता के अधिकारों की लड़ाई और समानता का संघर्ष। निर्देशक के अनुसार, फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक जीवन की कहानी नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और समाज के बीच के उस रिश्ते को भी उजागर करती है जो समय के साथ धुंधला पड़ गया है।

सिनेमा से परे एक आंदोलन की शुरुआत

गुम्मादि नरसैया का किरदार निभाना शिवा राजकुमार के लिए महज एक अभिनय नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। वह खुद इस परियोजना को लोगों के संघर्ष की गाथा बता चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के ऐलान वीडियो में खुद गुम्मादि नरसैया के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह भी फिल्म के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शिवा राजकुमार की व्यस्त फिल्मी पारी

शिवा राजकुमार इन दिनों साउथ सिनेमा के सबसे व्यस्त सितारों में गिने जाते हैं। वह जल्द ही '45' में उपेंद्र और राज बी शेट्टी के साथ नज़र आने वाले हैं। इसके अलावा 'डैड' और '666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर' जैसी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। साथ ही वह रजनीकांत की 'जेलर 2' और राम चरण की 'पेड्डी' में कैमियो करते हुए भी दिखेंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।